श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 240, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | सोमवार 26 सितंबर 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस लाख वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

क्रियायोग से सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित।

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

पूर्व उप प्रधानमंत्री चौ. देवीलाल की जयंती पर हुई सम्मान दिवस रैली, नीतीश ने कांग्रेस सहित सभी दलों से एक साथ आने की अपील की

एक ही मंच पर विपक्ष की मोर्चाबंदी

हिसार/नई दिल्ली: देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की 109 वीं जयंती पर हरियाणा के फतेहाबाद में 'सम्मान दिवस रैली' हुई। रैली के लिए इनेलो (इंडियन नेशनल लोकदल) प्रमुख ओम प्रकाश चौटाला ने नीतीश सहित 10 राज्यों के 17 नेताओं को निमंत्रण दिया था। लेकिन मंच पर 5 बड़े नेता ही दिखे। इनमें बहार के सीएम नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव, शिरोमणि अकाली दल नेता सुखबीर सिंह बादल और सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी शामिल थे। इनेलो की रैली में नीतीश कुमार ने कांग्रेस सहित सभी दलों से एक साथ आने की अपील की। नीतीश ने कहा कि ऐसा होने के बाद बीजेपी को 2024 के लोकसभा चुनावों करारी शिकस्त मिलेगी। वहीं, तेजस्वी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए पूछा कि अब एनडीए कहां है? शिवसेना, अकाली दल, जदयू जैसे भाजपा सहयोगियों ने लोकतंत्र बचाने के लिए इसे छोड़ दिया है। इधर, सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि यह नया गठबंधन बनाने के लिए साथ आने का समय है। बादल ने आगे कहा कि जदयू, शिवसेना और राजद ही असली एनडीए है, क्योंकि हमने इसकी स्थापना की थी। वहीं, शरद पवार ने कहा कि अब 2024 में सरकार बदलने का समय आ गया है।

ओम प्रकाश चौटाला से मुलाकात की वजह: नीतीश ने शिक्षक भर्ती घोटाले में सजा काटकर जेल से बाहर आए हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला से इसी महीने मुलाकात की थी। चौटाला की पार्टी इनेलो हरियाणा की क्षेत्रीय पार्टी है, जहां लोकसभा की 10 सीटें हैं। चौटाला की गिनती बड़े जाट नेताओं में होती है। हरियाणा के साथ-साथ पश्चिमी यूपी की भी 5 से ज्यादा सीटों पर जाट वोटर्स का असर है।

कांग्रेस का साथ सबसे अहम: नीतीश कुमार ने इस महीने दिल्ली दौरे पर सबसे पहले राहुल गांधी से मुलाकात की थी। कांग्रेस वर्तमान में लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी है। 2019 में कांग्रेस को 52 सीटों पर जीत मिली, जबकि 210 सीटों पर पार्टी दूसरे नंबर पर रही। यानी कुल 262 सीटें ऐसी हैं, जहां कांग्रेस भाजपा से सीधे मुकाबले में थी।

अमित शाह ने बिहार में चुनावी बिगुल फूंका: नीतीश विपक्ष को एकजुट करने में जुटे हैं। उधर, अमित शाह ने दो दिन पहले ही बिहार का दौरा कर चुनावी बिगुल फूंक दिया। पूर्णियां जिले में एक रैली मे शाह ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में बिहार की जनता लालू-नीतीश की जोड़ी का सफाया कर देगी। 2025 में भी भाजपा पूर्ण बहुमत से बिहार में सरकार बनाएगी। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के लिए राजद और कांग्रेस की गोदी में नीतीश बैठ गए। नीतीश कुमार ने जॉर्ज फर्नांडिस के साथ भी धोखा दिया। मांझी के साथ धोखा किया। अब बीजेपी को धोखा देकर लालू के पास चले गए। ये धोखा मोदी जी के साथ नहीं हुआ है। बिहार की जनता के साथ हुआ है।

500 से ज्यादा सीटों पर सीधी लड़ाई की तैयारी, दक्षिण से उत्तर तक घेराबंदी

नीतीश अगर विपक्ष को एकजुट करने में सफल रहते हैं, और सभी दल एकजुट हो गए तो आगामी लोकसभा चुनाव में 500 से ज्यादा सीटों पर भाजपा से सीधी लड़ाई होगी। जिन दलों से नीतीश संपर्क साध रहे हैं, वे सभी दल दक्षिण से लेकर उत्तर भारत तक प्रभावी हैं।

रूरल एरिया पर ज्यादा फोकस, रणनीति सफल रही तो भाजपा को नुकसान संभव

देश के रूरल एरिया में लोकसभा की कुल 353 सीटे हैं, जिसमें 2019 में भाजपा को 207 सीटों पर जीत मिली थी। वहीं कांग्रेस और अन्य के खाते में 126 सीटें गई थीं। सूत्रों के मुताबिक नीतीश और गठबंधन का पूरा फोकस इन रूरल एरिया पर है। यहां पर 2014 और 2009 के मुकाबले भाजपा सबसे ज्यादा कमजोर थी। 2009 में भाजपा को रूरल एरिया में सिर्फ 77 सीटों पर जीत मिली थी। जो 2014 में बढ़कर 190 और 2019 में 207 पर पहुंच गई। वहीं सेमी अर्बन की बात करें तो यहां 2009 में भाजपा को 20 सीटें मिली थीं, जबकि 2014 में यह बढ़कर 53 और 2019 में 58 पर पहुंच गई। हाइली अर्बन यानी उच्च शहरी एरिया की बात करे तो यहां 2009 में भाजपा के पास 20 सीटें थीं, जो 2014 और 2019 में बढ़कर 40-40 सीटों पर पहुंच गई।

परिवार से बातचीत के बाद अलकनंदा के घाट पर हुआ अंतिम संस्कार

अंकिता को दी गई आखिरी विदाई

ऋषिकेश: उत्तराखंड में पूर्व मंत्री के बेटे के रिसॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट अंकिता भंडारी की मौत पर लोगों का गुस्सा लगातार तीसरे दिन उफान पर रहा। प्रशासन से बातचीत के बाद परिवार अंतिम संस्कार के लिए राजी हुआ। इसके बाद शव को मॉचुर्री से श्मशान ले जाया गया। शव ले जाने के दौरान प्रदर्शनकारियों ने एंबुलेंस रोकने की कोशिश की। एक महिला एंबुलेंस के सामने लेट गई, जिसे पुलिस ने हटाया। अंकिता के पिता ने मॉचुर्री के बाहर जमा लोगों से अपील की, जिसके बाद भीड़ छटने लगी। अंतिम संस्कार अलकनंदा नदी घाट किया गया। इस दौरान श्रद्धांजलि देने के लिए सैकड़ों लोग पहुंचे। इससे पहले, अंकिता के होम टाउन श्रीनगर में सैकड़ों लोगों ने उसकी फोटो लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन सुबह 9 बजे से शाम 5.30 तक चला। इससे बद्रीनाथ-ऋषिकेश हाईवे जाम लग गया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक अंकिता की मौत पानी में डूबने से हुई। धक्का देने से पहले उसे किसी भारी चीज से पीटा गया। उसके शरीर पर चोट के निशान भी मिले। रिपोर्ट में सेक्शुअल एब्यूज या रेप का जिक्र नहीं है। इधर, उत्तराखंड के उट पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि केस की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी।

पिता का सवाल- रिसॉर्ट में सबूत थे, उसे क्यों तोड़ा:

इस रिपोर्ट से नाखुश अंकिता के परिवार ने पहले अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया था। हालांकि बाद में पुलिस ने बातचीत कर परिवार को अंतिम संस्कार के लिए मना लिया। ऋषिकेश में अंकिता के पिता वीरेंद्र भंडारी ने दैनिक भास्कर से बात करते हुए कहा, 'जिस रिसॉर्ट में सबूत थे, प्रशासन ने उसे बुलडोजर से क्यों तोड़ा? ऐसा करके सबूत मिटाए गए हैं।' भास्कर ने जब जिले के डीएम विवेक जोगदंडे से इस बारे में सवाल किया तो उन्होंने साफ कहा- रिसॉर्ट पर बुलडोजर चलाने का आदेश किसने दिया, इसकी जांच की जा रही है।

'रोजाना बनेंगे करीब चार लाख स्वास्थ्य कार्ड'

नई दिल्ली: केंद्र सरकार लोगों तक ज्यादा से ज्यादा आयुष्मान कार्ड पहुंचाने की तैयारी कर रही हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने रविवार को कहा कि आयुष्मान प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत रोजाना 10 लाख आयुष्मान भारत कार्ड बांटने का लक्ष्य है। रविवार को उनहोंने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के चार साल और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के कार्यान्वयन के एक वर्ष पूरा होने पर आरोग्य मंथन 2022 का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि देश में अभी तक उन्नीस करोड़ लाभार्थियों के पास आयुष्मान भारत कार्ड हैं।

'ग्लोबल टेररिस्ट्स को बचाने वाले कर रहे बयानबाजी'

न्यूयॉर्क: भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा यानी यूएन के 77वें सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने चीन और पाकिस्तान का नाम लिए बिना ही दोनों देशों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद को किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसके लिए भारत जल्द जी-20 और आतंकवाद से निपटने वाली कमेटी की अध्यक्षता करने जा रहा है। उन्होंने कहा- कोई भी बयानबाजी करके अपनी करतूत नहीं छिपा सकता है। उनका ये बयान पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के 'आर्टिकल 370' पर दिए गए बयान के बाद सामने आया। दरअसल, पाकिस्तान के पीएम शाहबाज ने कहा था- जम्मू कश्मीर को हिंदू टेरेटरी बनाने की साजिश हो रही है। भारत ने जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को बदलने के लिए 5 अगस्त 2019 को एकतरफा कदम उठाया। भारत के फैसले से समाधान और मुश्किल हो गया है।

आतंकियों को बचाने की कोई वजह जायज नहीं: उन्होंने कहा- संयुक्त राष्ट्र अपराधियों पर प्रतिबंध लगाकर आतंकवाद का जवाब देता है। वठ सुरक्षा परिषद 1267 समिति (सैंक्शन रिजीम) के तहत आतंकियों पर प्रतिबंध लगाता है। जो देश यूएनएससी की 1267 समिति का राजनीतिकरण और संयुक्त राष्ट्र में घोषित आतंकवादियों का बचाव करते हैं वो अपने जोखिम पर ऐसा करते हैं। ऐसा करके वो अपनी रेपुटेशन नहीं सुधार सकते हैं। यहां उनका इशारा चीन और पाकिस्तान की ओर था। चीन ने कई बार पाकिस्तान के आतंकवादियों को सुरक्षा परिषद की ग्लोबल टेरेरिस्ट लिस्ट में शामिल करने पर अड़ंगा लगाया है।

कन्हैयालाल हत्याकांड: 20 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को नोटिस

उदयपुर: उदयपुर के कन्हैयालाल साहू हत्याकांड मामले में पुलिस मुख्यालय ने 20 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को नोटिस जारी किया है। जिले के संबंधित थाने के पुलिसकर्मियों की लापरवाही उजागर होने के बाद यह कदम उठाया गया है। इनमें धानमंडी, भूपालपुरा, सुखेर, सूरजपोल और डीएसबी (डिस्ट्रिक्ट स्पेशल ब्रांच) के अधिकारी-पुलिसकर्मी शामिल हैं। जब तक जांच चलेगी, इन पुलिसकर्मियों के प्रमोशन नहीं होंगे। फील्ड पोस्टिंग देने से पहले भी विचार किया जाएगा। जयपुर

पुलिस मुख्यालय से जारी आदेश के तहत हत्याकांड के समय धानमंडी, सूरजपोल, भूपालपुरा और सुखेर थानाधिकारियों, संबंधित थानों के हेड कॉन्स्टेबल और बीट कांस्टेबल सहित तत्कालीन पुलिस अधिकारियों को नोटिस मिले हैं। कन्हैयालाल की दुकान।

शहीद भगत सिंह के नाम पर रखा जाएगा, पीएम मोदी का ऐलान, पंजाब सीएम ने किया स्वागत

चंडीगढ़ इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम बदलेगा

नई दिल्ली: मन की बात के 93वें एपिसोड में पीएम नरेंद्र मोदी ने ऐलान किया है कि चंडीगढ़ एयरपोर्ट का नाम शहीद भगत सिंह के नाम पर रखा जाएगा। यह फैसला भगत सिंह की जयंती के मौके पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए लिया गया है। उनकी जयंती 28 सितंबर को मनाई जाएगी। पीएम ने कहा, 'भगत सिंह जी की जयंती के ठीक पहले उन्हें श्रद्धांजलि स्वरूप एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। यह तय किया गया है कि चंडीगढ़ एयरपोर्ट का नाम अब शहीद भगत सिंह जी के नाम पर रखा जाएगा। इसकी लम्बे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी। मैं चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा और देश के सभी लोगों को इस निर्णय की बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

पीएम ने दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिन पर श्रद्धांजलि अर्पित की: पीएम मोदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि 25 सितंबर को देश के प्रखर मानवतावादी, चिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्मदिन मनाया जा रहा है। उनके विचारों की खूबी यही रही है उन्होंने अपने जीवन में विश्व की बड़ी उथल-पुथल को देखा था। वे विचारधाराओं के संघर्षों के साक्षी बने। पीएम ने आगे कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान हम आत्मनिर्भर भारत का भी लक्ष्य लेकर चल रहे हैं, जो सही मायने में आजादी के दीवानों को एक सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

यूपी में पांच लाख करोड़ से बनेंगी सड़कें व हाईवे: गडकरी

औरैया: रविवार को जनपद के कंचौसी कस्बे में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती व अकबरपुर सांसद देवेन्द्र सिंह (भोले) के माता पिता की पुण्य तिथि पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करने आए भारत सरकार के राष्ट्रीय राजमार्ग व परिवहन मंत्री नितिन जयराम गडकरी ने अपने संबोधन में कहा आने वाले समय में देश का किसान अन्नदाता नहीं देश का ऊर्जा दाता बनेगा। आने वाले समय में ग्रीन हाइड्रोजन से रेल परिचालन, ट्रांसपोर्ट और कार व्हीकल ग्रीन हाइड्रोजन से चलेंगे, इस पर सरकार प्रयासरत है। नेताओं को सोचना होगा कि गांव के गरीब किसानों का कल्याण कैसे करें। उन्होंने कहा कि पूरे भारत में चीनी, गेहूं, चावल का पर्याप्त मात्रा में उत्पादन होने से देश आत्मनिर्भर है।

पूर्व की सपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा सरकार में किसानों के गन्ना मूल्य का भुगतान नहीं होता है।योगी आदित्यनाथ की नेतृत्व गन्ना किसानों का भुगतान समय से हो रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा प्रदेश में चालीस हजार करोड़ के हाईवे नहर रोड होकर फोर लाइन बनाए जाने की मांग की।इस पर केंद्रीय मंत्री ने प्रदेश सरकार से एनोसी व लैंड क्लियर करने की बात कही । कार्यक्रम में शिरकत करने आए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने अपने संबोधन में कहा प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए पूर्व की सपा सरकार पर जमकर हमलावर हुए उन्होंने कहा पहले की सरकारों में बिजली, पानी, गैस आदि के लिए लोगों को परेशान होना पड़ता था और कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार में ग्रामीण और शहरीय क्षेत्रों पर्याप्त बिजली मिल रही है। कार्यक्रम के आयोजक अकबरपुर सांसद देवेन्द्र सिंह भोले ने कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

केरल: सोना घोटाले की आंच सीएम ऑफिस तक पहुंची: नड्डा

तिरुवनंतपुरम: केरल के कोट्टायम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पीएम ने फैसला किया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जन्मदिन (25 सितंबर) को अंत्योदय दिवस के रूप में मनाया जाए। जो लोग वंचित हैं उन्हें सशक्त बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान माकपा सरकार एक ऐसी स्थिति पैदा करने की कोशिश कर रही है जहां

सरकार कर्ज के जाल में फंस जाएगी। कर्ज अब लगभग दोगुना हो गया है। यहां तक कि सीएम कार्यालय भी भ्रष्टाचार के दायरे से बाहर नहीं है। सोना घोटाले की आंच सीएम ऑफिस तक पहुंच गई है। नड्डा ने कहा कि अराजकता है, फ्रिंज तत्व बढ़ रहे हैं। हमारे कार्यकताओं की हत्या कर दी गई है।

खबर संक्षेप

भीख मांगने वाली महिला को बच्चा चोर कह कर दौडाया

मऊआइमा। भीख मांगने वाली महिला को लोग बच्चा चोर कह कर दौडा लिए। बाद में बुजुर्गों ने बताया कि यह बच्चा चोर नहीं है। यह काफी दिनों से भीख मांगने आती है।जिससे महिला पिटने से बच गई। मऊआइमा में बच्चा चोरी की अफवाहों से हर कोई परेशान है। बताया गया है कि एक भिखारिन भीख मांगने ग्राम मलखानपुर पहुंच गई। जिससे लोग बच्चा चोर कहकर दौडा लिए। बुजुर्गों ने भिखारिन को अपने पास बैठा लिए और ग्रामीणों को बताए कि यह जाति की जोगी है। काफी दिनों से गांव में भीख मांगने आती है। यह बच्चा चोर नहीं है। तब जाकर ग्रामीणों के समझ में आया। तथा भीख मांगने वाली महिला की जान बची। उक्त घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

संदिग्ध दशा में महिला की गला रेतकर हत्या, हड़कंप

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। मेजा थाना क्षेत्र के सिंहपुर गांव में महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में गला रेत कर हत्या कर दी गई जिसे लेकर गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर जांच में जुटी। बता दे कि भटौती सिंहपुर गांव निवासी आराधना (24) पत्नी दीपक की बीती रात्रि संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर गला रेत कर हत्या कर दी गई। सुबह परिजनों के द्वारा मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच में जुटी हुई है। गौरतलब हो कि मृतक महिला का पति बाहर जॉब करता है जबकि घर में एक देवर और सांस तीन लोग मौजूद थे। मायके पक्ष की तहरीर पर देवर व सास को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया जहां लोगों ने हत्या करने का जुर्म कबूला है। पुलिस आरोपियों को विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए चालान कर जेल भेज दिया।

घटनास्थल पर मौजूद लोगों की भीड़ व जांच पड़ताल करती पुलिस

अज्ञात कारणों से छात्रा ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

बारा। बारा थाना क्षेत्र के लोहगरा बाजार निवासी उदय शंकर तिवारी की पुत्री सरस्वती देवी उम्र 19 वर्ष ने रविवार सुबह घर के कमरे में रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली घटना सुबह 10:30 की है । पित्र विसर्जन के दिन घर के लोग अपने-अपने काम में लगे हुए थे तभी सरस्वती ने कमरे में जाकर अंदर से दरवाजा बंद कर छत की हुक से फांसी लगा लिया । इधर-उधर जब सरस्वती देवी दिखाई नहीं दी तो उसकी मां उसको आवाज लगाने लगी तभी देखा कि एक कमरे का दरवाजा अंदर से बंद है उसने शोर मचाना शुरू कर दिया पड़ोसियों की मदद से जब दरवाजा तोड़ा गया सरस्वती देवी फांसी पर लटकी पाई गई मौके पर ही उसकी मौत हो चुकी थी जानकारी मिलने पर थाना अध्यक्ष बारा कमलेश कुमार मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया मृतक के परिजनों द्वारा थाना बारा में तहरीर देकर आरोप लगाया कि मृतक छात्रा सरस्वती देवी श्री रणजीत पंडित इंटर कॉलेज की 12वीं की छात्रा थी जैसा कि घर वालों का कहना है की छात्रा को विद्यालय प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य द्वारा लगातार नाम काटने की धमकी दे रहें थे जिससे परेशान होकर सुबह उनकी बेटी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया।

तेज रफ्तार पिकअप ने ली मासूम की जान स्थानीय लोगों ने लगाया हाइवे पर जाम

मासूम की मौत पर परिजनों में छाया मातम

करछना। थाना क्षेत्र के अंतर्गत गधिंयाव गांव में मिजार्पुर प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग के बगल घर के बाहर खेल रहे मासूम की पिकअप वाहन की टक्कर लगने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के मुताबिक उक्त गांव निवासी विजय यादव का 5 वर्षीय बेटा शिवम यादव रविवार सुबह घर के सामने हाईवे के बगल खेल रहा था। उसी दरमियान मेजा की ओर से तेज रफ्तार आ रहा पिकअप वाहन चालक ने बेकाबू होकर खेल रहे मासूम को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। वहीं परिजनों ने घायल मासूम को आनन-फानन में पास के निजी अस्पताल में उपचार के लिए ले गए लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वही मौका देख भाग रहे पिकअप वाहन को उपस्थित लोगों ने मोटरसाइकिल से पीछा कर 1 किलोमीटर की दूरी पर पकड़ लिया। सूचना होने पर थाना प्रभारी विश्वजीत सिंह, चौकी प्रभारी राम बहादुर मौके पर पहुंचे और आक्रोशित ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेज दिया। विजय यादव हाईवे के बगल चाय पान की दुकान खोल रखी है। उसके दो बेटों में शिवम दूसरे नंबर का लड़का था। बेटे की मौत के बाद बदहवास मां सुशीला देवी का रो रो कर बुरा हाल हो गया है।

हिंदी पखवाड़ा: छात्र-छात्राओं ने दी हिंदी व्याकरण की परीक्षा

आधुनिकीकरण के इस दौर में विलुप्त होती जा रही हिंदी: रमेशचंद्र केसरवानी

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। हिंदी पखवाड़ा के अवसर पर रविवार को प्रयास शिक्षण संस्थान शंकरगढ़ के द्वारा हिंदी व्याकरण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में यमुनापार के कई विद्यालयों के बच्चों ने प्रतिभाग किया। परीक्षा आयोजक रमेश चंद केसरवानी ने कहा, हिंदी जो हमारी पहचान है, वह विलुप्त होती जा रही है। शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी, हमारी हिंदी को हमसे छीन रहा है। हमारे बच्चे को हिंदी भाषा का ज्ञान नहीं हो पा रहा है। इससे भारत की एकता अखंडता, जो हिंदी द्वारा ही संभव है, खतरे में पड़ गई है। हम सभी समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और शिक्षण संस्थाओं की जिम्मेदारी बनती है कि ऐसे आयोजनों के जरिए हिंदी को बढ़ावा दें। कहा, अगर हम सभी लोग मिलकर हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने का आह्वान करेंगे और हिंदी को बढ़ावा देंगे तो एक दिन हिंदी को उचित सम्मान

मिल सकेगा। आज, अगर हम ध्यान नहीं देंगे तो एक दिन हिंदुस्तान से यह भाषा विलुप्त होगी फिर आगे की परिस्थितियां और कठिन होगी। जिस प्रकार से इस वैश्विक जगत से डायनासोर जैसी बड़ी प्रजाति के प्राणी विलुप्त हो गए उसी प्रकार से हिंदी भाषा भी विलुप्त होने के कगार पर है। हम सभी को जागृत होकर हिंदी के विकास और बढ़ावा देने में अपना योगदान देना चाहिए। परीक्षा में राजा कमलाकर इंटर कॉलेज, महर्षि दयानंद शिक्षा निकेतन, सरस्वती शिशु मंदिर, रानी देवयानी पब्लिक स्कूल, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, श्रीमती पत्ती देवी बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज, कैंब्रिज हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट कॉलेज, आदर्श पूर्व माध्यमिक विद्यालय, एलआरएस पब्लिक स्कूल, मां रामरती पूर्व माध्यमिक विद्यालय, केएल कान्वेंट स्कूल सारा, डीएवी सरदार पटेल इंटर कॉलेज पीपीजीसीएल लोहगरा बारा, सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल गौहनिया, मां शांति सिंह इंटर कॉलेज, नवोदित इंटर कॉलेज, नवोदय शिक्षा निकेतन, न्यू चिल्ड्रेन पब्लिक स्कूल, डा. कैलाशनाथ डिग्री कॉलेज, राजा कमलाकर डिग्री कॉलेज के बच्चे शामिल रहे। परीक्षा को संपन्न करवाने में श्रीमती पत्ती देवी बालिका इंटर कॉलेज के प्रबंधक, प्रधानाचार्या सभी शिक्षकों के साथ पूजा केसरवानी, रमेश चंद केसरवानी, दीपक नीर, राघवेंद्र सिंह, प्रशांत केशरवानी, हिमांशु केसरवानी, हर्षिता सिंह, विकास सिंह, विनोद केसरवानी, राहुल केसरवानी, प्रमोद जायसवाल, मनोज केसरवानी, विराट सिंह, सुप्रिया केसरवानी आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

पितृ विसर्जन अमावस्या पर पितरों को दी गई तिलांजली

सिरसा व छतवां गंगा घाटों पर उमड़ा आस्था का जन सैलाब, पितृ विसर्जन अमावस्या पर पितरों को दी गई तिलांजलि

सिरसा। मेजा क्षेत्र के सिरसा व छतवां गंगा घाट पर पितृ विसर्जन अमावस्या पर पितरों को दी गई तिलांजलि। पितृपक्ष के प्रारंभ होते ही लोग अपने पितरों की मृत्यु तिथि पर पिण्डदान करते हैं। वहीं जिनको अपने पितरों की मृत्यु तिथि पता नहीं होती वो पितृपक्ष की अमावस्या के दिन पिण्डदान कर तिलांजलि देते हैं। सिरसा और छतवां गंगा घाट के पावन तट पर सुबह से ही लोगो की भीड़ पितरों को पिण्ड दान करने के लिए लगी। तट पर पहुंचे लोगों ने गंगा जी के जल मे स्नान कर पिण्ड दान किया। वहां उपस्थित श्राद्ध कराने वाले पुजारी जी ने पितृपक्ष और पितृ विसर्जिनी के बारे मे जानकारी देते हुए बताया कि आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से शुरू हुआ पितृपक्ष इस दिन समाप्त हो जाता है और देवी पक्ष का आरंभ होता है। बुरे कामों के लिए माफी मांगी गई पितृ पक्ष अमावस्या के दिन उन लोगों का श्राद्ध किया जाता है। जिनकी मृत्यु अमावस्या तिथि में हुई होती है या चतुर्दशी को हुई होती है। जिनका पितृपक्ष में तर्पण श्राद्ध छूट गया हो वह भी अपने पितरों के नाम से इस दिन ब्राह्मण भोजन करवाते हैं। कहते हैं कि पितृ विसर्जन अमावस्या के दिन पितरों के नाम से ब्राह्मण भोजन जरूर करवाना चाहिए और पितृगणों से जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए क्षमा मांगनी चाहिए।

श्रद्धालुओं ने तर्पण कर पूर्वजों को किया याद

मेजा रोड। पितृ विसर्जन अमावस्या के अवसर पर रविवार को जहां क्षेत्र के गंगा घाटों पर पितरों को पिंडदान करने के लिए सुबह से श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा वहीं बाबा बोलन नाथ धाम में सैकड़ों लोगों ने पवित्र सरोवर में स्नान किया और अपने पितरों का श्राद्ध तर्पण एवं पिण्डदान किया। पिछले 15 दिन से चल रहे पितृपक्ष का आज अंतिम दिन था। इसलिए क्षेत्र के लोगों ने सैकड़ों की संख्या में बोलन धाम स्थित पवित्र सरोवर में स्नान कर अपने पितरों को तर्पण किया।मान्यता है कि पितरों के तर्पण के बिना उनकी आत्मा को शांति नहीं मिलती। इसीलिए पितृ अमावस्या के दिन गंगा घाटों के अलावा स्थानीय तौर पर पास स्थित पवित्र स्थानों पर श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंच जाती है।रविवार को भी लोगों ने अपने पितरों की स्मृति में पिण्डदान किया, तो वहीं कथा का श्रवण करके गरीबों व पंडितों में सामर्थ्य के अनुसार दान किया। कस्बे के पंडित भानु पांडेय और हीरालाल पांडेय ने बताया कि पितृ अमावस्या के दिन भारी संख्या में श्रद्धालु एतिहासिक स्थल बाबा बोलन नाथ धाम पर पहुंचते हैं और अपने पितरों के लिए पवित्र सरोवर में पिण्डदान और स्नान करते हैं।इस मौके पर जहां स्थानीय आचार्य पहुंचकर पिंडदान करते हैं, वहीं नाई समाज के लोग सुबह से ही पिण्डदानियों का मुंडन करते हैं।

पितृ पक्ष का विसर्जन रविवार को संपन्न

जंघई। पितृपक्ष के अंतिम दिन रविवार को पिंडदान करने के साथ ब्राह्मण भोजन कराकर क्षमतानुसार दक्षिणा दिया गया।इससे पितर प्रसन्न होकर सुख, समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करते हैं।चनेथू बजरंगपुर गांव निवासी कपिल शुक्ला द्वारा अपने पिता बैजनाथ शुक्ला का पिंडदान किया गया एवं शान्ति के लिए गीता का पाठ, रुद्राष्ट्राध्यायी के पुरुष सूक्त, रुद्र सूक्त, ब्रह्म सूक्त आदि का पाठ किया गया पीपल के वृक्ष के मूल में भगवान विष्णु का पूजन कर गाय का दूध चढ़ाया गया।

गरीब-दलितों की आवाज कहे जाते थे प. दीनदयाल : सुभाष

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। पंडित दीन दयाल उपाध्याय गरीब दलितों की आवाज कहे जाते थे। गरीब और पिछड़ों के विकास के लिए उनका योगदान भुलाया नहीं जा सकता है।रविवार के दिन राष्ट्रवादी नेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 160वीं जयंती मनाते हुए भाजपा पिवमो के यमुनापार जिला अध्यक्ष सुभाष सिंह पटेल ने कही। आगे कहा कि भारतीय राजनीति के इतिहास में प्रमुख व्यक्तित्वों में से एक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती को हर साल अंत्योदय दिवस के तौर पर मनाया जाता है।वे भारतीय जन संघ के सह-संस्थापक और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचारक थे।कहा कि अंत्योदय शब्द का मतलब उत्थान है, जो समाज में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के उत्थान को समर्पित है।इस दिन का उद्देश्य भारत के गरीब और पिछड़े लोगों के विकास की ओर ध्यान खींचना है।साथ ही इस दिन समाज और राजनीति में उपाध्याय के योगदान के लिए याद करने के लिए भी मनाया जाता है। इस दौरान पंडित दीन दयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजली अर्पित किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता आशीष पाल, सुधाकर सिंह धर्मराज पाल, सुरेंद्र सिंह, अखिलेश सिंह, अतर सिंह कुशवाहा आदि दर्जनों भाजपाई शामिल रहे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के साथ सुनी गई मन की बात

सहसों। एकात्म मानवतावाद अंत्योदय प्रणेता एवं राष्ट्रवादी प्रखर वक्ता दरिद्रों के मसीहा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर वीरेन्द्र बहादुर सिंह अध्यक्ष भूमि विकास बैंक फूलपुर एवं मंडल प्रभारी भाजपा गंगापार सुरेश सिंह की उपस्थिति में उमरी गांव में जयंती पर उनके छायाचित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए प्रधान मंत्री जी की मन की बात सुनी। इस अवसर पर वीरेन्द्र बहादुर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल जी का जीवन बहुत ही कष्टों से भरा रहा है। शिक्षा के उपरांत पंडित जी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में प्रचारक बनने का निर्णय लिया। उसके उपरांत उपस्थित लोगों द्वारा प्रधानमंत्री के मन की बात का 93वां भाग सुना गया। इस अवसर पर जितेन्द्र पटेल मंडल प्रभारी फूलपुर, प्रताप बहादुर सिंह प्रधान, राजेश सरोज, अंकित सरोज, राजेन्द्र यादव, रवींद्र बहादुर सिंह, सुरेन्द्र श्रीवास्तव, अनिल पटेल, नन्द लाल, बृजेश कुमार, लाल चन्द्र, देवनारायण, पवन सिंह, अमन सिंह राजपूत आदि रहे। उसी क्रम में रामनाथ पट्टी देवनहरी में ब्लाक प्रमुख सहसों गीता सिंह एवं मंडल महामंत्री पवन कुमार शुक्ला की उपस्थिति में लोगों ने पंडित दीनदयाल को शत शत नमन करते हुए मोदी की मन की बात को सुना। मौके पर आरती अग्रवाल, शिवनारायण सिंह गप्पू , रीना सिंह, पुष्पा प्रजापति, संदीप पाल, राम प्रसाद पाल, प्रेमापाल, अर्जुन पाल, राजेश पाल सहित आदि कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे। इसी तरह सहसों मंडल में जिला उपाध्यक्ष अनिरुद्ध सिंह पटेल एवं भाजपा नेता राजधर द्विवेदी के संयोजन में दरिद्रो के मसीहा युगपुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए मन की बात को सुना। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष अनिल कुमार सरोज, प्रमोद कुमार शुक्ला, मुन्ना दूबे सहित आदि रहे।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय जयंती पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

जसरा। राजकीय बालिका इंटर कालेज में पंडित दीन दयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, पेंटिंग इत्यादि का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या ममता शर्मा नें उनके जीवन के विभिन्न वृतांतो का वर्णन करते हुए छात्राओं को महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया आगे उन्होंने यह भी कहा कि महापुरुषों का सम्पूर्ण जीवन देश एवम समाज के उत्थान में ही व्यतीत हुआ। इस अवसर पर पंडित दीन दयाल उपाध्याय के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके उनके पदचिन्हो पर चलने के लिए छात्राओ को शपथ दिलवायी गयी। गृह विज्ञान की प्रवक्ता रीना यादव नें सभी छात्राओं को मन लगाकर पढ़ने की प्रोत्साहना के साथ दहेज प्रथा से होने वाले विभिन्न नुकसानो के विषय में जागरूक की।भौतिक विज्ञान की प्रवक्ता शगुफ्ता जमाल नें विज्ञान से जुड़ी अनेकों रोचक जानकारिया प्रदान किया। उक्त अवसर पर विद्यालय की छात्राओं सहित रेखारानी, गीतांजलि, रीना यादव, शगुफ्ता जमाल, फौजिया नसरीन, नीलम गुप्ता, कीर्ति अवस्थी, नीता त्रिपाठी, सुनीता मालवीया आदि शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मनाया जन्मदिन

करछना। युगपरुष मनववाद पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिन पर ग्राम पंचायत डीहा? शक्ति केंद्र पर भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष पंडित त्रिवेणी प्रसाद पांडे के नेतृत्व में भाजपाइयों ने एक कार्यक्रम के तहत पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया तथा लोगों को उनके जीवन तथा कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उनके रास्ते पर विकास कार्य को आगे बढ़ाने के लिए चर्चा की गई तथा लोगों से उनके जीवनकाल का विस्तार से लोगों को के बीच प्रकाश डाला इस अवसर पर भाजपा नेताओं में भाजपा मंडल भीरपुर के पूर्व अध्यक्ष त्रिवेणी प्रसाद पांडे,महामंत्री शशि कांत पांडे मंडल उपाध्यक्ष कमलेश सिंह राज प्रताप सिंह विकास सिंह शैलेश मिश्रा इंजीनियर अनुराग पांडे राहुल निषाद आदि बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

नवरात्रि की पूर्व संध्या पर बेटियों को पौधे, पेन भेंटकर किया गया सम्मानित

जसरा। नवरात्रि की पूर्व संध्या पर जसरा क्षेत्र के बुँदावा में स्थित आस्था अध्ययन केन्द्र में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रनेता अभिषेक सिंह पटेल के संयोजन में बेटियों के शिक्षा का महत्व परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व प्रधानाचार्या सुकुंती देवी सचान नें कहा कि एक बेटी के शिक्षित होने से दो घरों में शिक्षा, अनुशासन, सदचरित्र का निर्माण होता हैं और बेटियों को यदि बेटों के समान अवसर चुनने की आजादी प्रदान किया जाए तो बेटियां किसी भी मामले में बेटों से कम नहीं हैं आगे उन्होंने यह भी कहा कि इतिहास साक्षी हैं बेटियों के प्रतिभा एवम पराक्रम का लोहा सम्पूर्ण विश्व देखता आया हैं।विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य प्रयागराज राजकुमारी पटेल नें विकास के पहिये को तीव्र गति प्रदान करने के लिए महिलाओ को राजनीति के क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया। शोध छात्र संस्कृत अम्बुज सिंह पटेल, अभिषेक सिंह, कृष्णा प्रजापति, प्रजीत पटेल, विजय भारतीया, सचिन प्रजापति, बृजेश पाल, अरुण पाल आदि लोगों नें भी बेटियों की शिक्षा के अनिवार्यता पर अपने विचार रखें। कार्यक्रम संयोजक छात्रनेता अभिषेक सिंह पटेल नें पांच दर्जन से अधिक छात्राओं को अमरुद, आम, कदम्ब आदि पौधों के साथ पेन भेंटकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संचालन विमलेश पटेल एवम अध्यक्षता शासकीय अधिवक्ता शिवशंकर सचान किया।

सोशल ऑडिट टीम द्वारा कार्यों का हुआ सत्यापन

सहसों। क्षेत्र के ग्राम पंचायत बभनकुइयां में शनिवार को कराए गए विभिन्न प्रकार के कार्यों का सोशल ऑडिट टीम के माध्यम से गुणवत्ता की जांच एवं सत्यापन किया गया। बभनकुइयां ग्राम पंचायत में जिला स्तरीय सोशल ऑडिट टीम रमाशंकर बीआरपी तथा उनके सहयोगी सुरेंद्र कुमार, राकेश कुमार, संदीप कुमार तिवारी, नीलम जायसवाल टीम के अधिकारियों द्वारा ग्राम पंचायत में मनरेगा द्वारा कराए गए कार्यों सामुदायिक शौचालय, प्रधान मंत्री आवास योजना, संपर्क मार्ग, तालाब की खुदाई, पंचायत भवन का निर्माण जैसे विभिन्न कार्यों का सत्यापन एवं गुणवत्ता की जांच किया गया। गुणवत्ता के साथ साथ सामग्री तथा माप का सत्यापन एवं विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी हासिल करते हुए सोशल ऑडिट टीम ने ऑडिट करते हुए उपस्थित ग्रामीणों तथा ग्राम पंचायत सदस्यों से विस्तृत जानकारी हासिल की। इस अवसर पर ग्राम प्रधान अशोक कुमार भारतीया, ग्राम विकास अधिकारी अश्वनी कुमार, रोजगार सेवक एवं मनरेगा श्रमिक, प्रमुख प्रतिनिधि शिव नारायण सिंह गप्पू , राहुल कुमार भारतीया, पंचायत सहायक सहित पंचायत सदस्य व आदि ग्रामीण उपस्थित रहे।

गरीब आदिवासी का कच्चा मकान ढहा,परिजन बाल बाल बचे

कोराव। निरंतर रिमझिम बरसातों से आए दिन किसी न किसी गांव में गरीबों के घर ढहने की खबर आ रही है। ग्राम लछन पूरा में भी 25 सितंबर की रात्रि एक ग्रीन आदिवासी दया शंकर कोल पुत्र जय प्रकाश कोल का मकान अचानक ढह गया, बता दें कि दया शंकर कोल एक बच्ची और उसकी मां बाल बाल बच गई। अन्यथा बड़ी घटना घट जाती। सोशल वर्कर बबलू शुक्ला ने तहसील प्रशासन से उक्त कोल परिवार को मदद किए जाने की मांग की है। दया शंकर कोल का परिवार अब खुले आसमान के नीचे रहने को विवश हैं।

सुनी मन की बात, प. दीनदयाल उपाध्याय को दी श्रद्धांजली

जसरा। आज रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात को भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रत्येक बूथ पर सुना और उनके बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया जिला मंत्री कमलेश त्रिपाठी ने बताया कि प्रधानमंत्री जी के एक एक शब्द को सुनकर उस पर अमल करना हमारा प्रथम कर्तव्य है। प्रधानमंत्री जी ने देश को आज उस स्तर पर लाकर खड़ा कर दिया जिसकी कभी किसी ने कल्पना भी नही किया। मन की बात को सुनने के पश्चात भाजपाइयों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धांजलि दी। जिसमे प्रमुख रूप से जसरा मंडल अध्यक्ष जगत नारायण शुक्ला, महामंत्री नीरज केसरवानी, भूपेंद्र पाठक,वीरेंद्र पाठक, बुद्धि प्रकाश द्विवेदी, दीपचंद्र मोदनवाल, जसरा प्रधान आशीष सोनकर, सुबोध जायसवाल, बच्चा मालवीय, हजारी लाल पटेल, सुधांशू मिश्रा, राकेश पाठक, गोपाल केसरवानी, उदित नारायण मिश्रा, आलोक द्वेदी, प्रीतम केसरवानी, अश्वनी केसरवानी, आकाश, सहित सैंकड़ो लोगों ने मन की बात को सुना,

विस्फोटक पदार्थ के साथ एक नफर अभियुक्त गिरफ्तार

बारा। वरिष्ठ अधीक्षक प्रयागराज के आदेश के अनुपालन एवं पुलिस अधीक्षक यमुनापार के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी बारा के कुशल नेतृत्व में निरीक्षक राजेश कुमार सचान व उपनिरीक्षक कौशलेंद्र बहादुर सिंह मय हमराह कांस्टेबल दिनेश पाल कांस्टेबल रजत कुमार वकास टेबल धर्मेंद्र कुमार मौर्य के द्वारा लगातार तलाश एवं दबिश देने के क्रम में मुखबिर की सूचना पर 24/9/2022 को रात्रि में रेलवे स्टेशन लोहगरा वहद ग्राम लोहगरा के पास अवैध विस्फोटक सामग्री 200 अदद विस्फोटक छड़ व 100 अदद डेटोनेटर मय वायर व 4 बंडल सेफ्टी फ्यूज वायर के साथ हेत लाल आदिवासी पुत्र स्वर्गीय राम अवतार उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम सुंदरपुर थाना बारा जनपद प्रयागराज को समय करीब 9:45 बजे रात में गिरफ्तार किया गया जिस के संबंध में थाने पर मुकदमा आमद संख्या 175/2022 धारा4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम पंजीकृत किया गया गिरफ्तार किए गए अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष भेजा गया।

अ.भा. वित्तविहीन विद्यालय संगठन ने की बैठक

सिरसा। मेजा क्षेत्र मे अखिल भारतीय वित्तविहीन विद्यालय संगठन के पदाधिकारियों की एक आवश्यक बैठक प्रदेशीय कार्यालय खानपुर में हुई, जिसमें राष्ट्रीय पदाधिकारियों की संस्तुति पर, आने वाले शिक्षक और स्नातक विधान परिषद चुनाव के लिए अखिल भारतीय वित्तविहीन विद्यालय संगठन से इलाहाबाद झांसी शिक्षक चुनाव के लिए श्री अशोक कुमार राठौर को अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया, और गोरखपुर फैजाबाद स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से श्री शिव मोहन सिंह जी को अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया, यह जानकारी अखिल भारतीय वित्त विहीन विद्यालय संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्री पंकज कुमार तिवारी ने दिया।

मुंबई से लौटे राजनाथ की दावत के बहाने दोस्तों ने कर दी हत्या

अखंड भारत संदेश

पत्नी के तहरीर पर दर्ज हुआ मुकदमा, परिजनों का रो-रोकर हुआ बुरा हाल

घटना के बाद मृतक के घर लगी लोगों की भीड़

मृतक राजनाथ के दोनों बच्चे व परिजन

प्रयागराज। फूलपुर में शनिवार की रात राजनाथ यादव की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। परिजनों ने उसके दो दोस्तों को नामजद कराया है। राजनाथ शनिवार की सुबह ही मुंबई से वापस घर लौटा था। शाम को पार्टी के लिए उसके दोस्त घर से बुलाकर ले गए थे। पुलिस का कहना है कि जल्द ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा। फूलपुर के बरेस्ता खुर्द गांव का रहने वाला राजनाथ यादव 32 मुंबई में रहकर कैब ड्राइविंग करता था। वह कई महीने बाद शनिवार सुबह मुंबई से घर लौटा। परिजनों के मुताबिक उसके दोस्त नासिरपट्टी गांव निवासी राजेश यादव एवं आलोक यादव ने शनिवार शाम को उसे पार्टी के बहाने बुलाया और मियां का पूरा गांव में अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी में बैठा लिया।रास्ते में राजनाथ की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। इसके बाद फोन के जरिए उसके घर सूचना दी कि सड़क दुर्घटना में राजनाथ घायल हो गया है। वे प्रतापपुर आ जाएं। परिजन जब प्रतापपुर पहुंचे तो स्कार्पियो गाड़ी में राजनाथ यादव का खून से लथपथ शव था। राजनाथ के दोस्त ड्राईवर को छोड़ वहां से भाग निकले थे।

पत्नी की तहरीर पर दर्ज हुआ मुकदमा : परिजनों के मुताबिक ड्राइवर स्कार्पियों से राजनाथ का शव बरेस्ता स्थित उसके घर ले गया। मामला संदिग्ध देख परिजनों ने ड्राइवर को रोक लिया। 112 पर फोन किया तो पुलिस मौके पर पहुंची। जांच शुरू की गई। ड्राइवर से पूछताछ शुरू हुई। कोतवाली प्रभारी अमित कुमार राय ने बताया कि राजनाथ की पत्नी उषा देवी की तहरीर पर राजेश यादव एवं आलोक यादव निवासी नासिरपट्टी कोतांव थाना सरायमरेज के खिलाफ नामजद एवं दो अज्ञात के खिलाफ हत्या समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया।

घर में मचा कोहराम, घर वालों का रो रोकर बुरा हाल

फूलपुर। राजनाथ का शव शनिवार देर रात घर पहुंचा तो हाहाकार मच गया। घर वालों का रो रोकर बुरा हाल हो गया था। पत्नी ऊषा यही कहकर रो रही थी कि अगर वह उन्हें पार्टी में जाने से रोक लेती तो शायद आज यह दिन न देखना पड़ता। इसी बात का उसे पछतावा उसे साल रहा है। राजनाथ चार भाइयों में सबसे छोटा था। उसकी एक बेटी मानसी 5 एवं बेटा शिवांश 3 है।

परदेश से सुबह आया था गांव, रात में हुई हत्या

फूलपुर। बरेस्ता खुर्द गांव निवासी राजनाथ यादव 32 शनिवार सुबह ही कई महीने बाद मुंबई से कमाई कर वापस घर लौटा था। शाम को उसके साथ ही मुंबई से आए दोस्तों ने दावत के बहाने बुलाया और हत्या कर दी।राजनाथ यादव की हत्या के खुलासे के लिए कई टीमें लगाई गई हैं। सोमवार तक मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। हत्या में नामजद दोनों अभियुक्तों समेत तीन को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। -मनोज सिंह, क्षेत्राधिकारी फूलपुर।

न्यूज झरोखा

दुर्गा शक्ति पीठ राजराजेश्वरी मंदिर रधईपुर, महरछा मंदिर में नवरात्र की तैयारी जोरों पर

जंघई। रधईपुर, महरछा गांव में राजराजेश्वरी दुर्गा माता मंदिर में नवरात्र की तैयारी जोरों पर है।मंदिर में स्थापित माँ की भव्य , मनमोहक एवं आकर्षक मूर्ति भक्तों का मन मोह लेती है। इस पवित्र मंदिर के प्रांगण में हर नवरात्रि मे भगवती की वैदिक मंत्रोच्चारण से पूजा और अर्चना की जाती है।भक्त दूर दूर से माँ राजराजेश्वरी का दर्शन करने आते हैं और भगवती से अपनी मनोकामना पूर्ण करने की मन्नत मानते हैं माँ के आशीर्वाद से लोगों की मन्नत पूरी होती है।मंदिर के संस्थापक राजमणि त्रिपाठी का मानना है कि माँ दुर्गा का यह पावन मंदिर सबका है और यदि समय समय पर भक्त गण और आस्थावान लोग सहयोग करें तो और उत्तम होगा।

छः जुआरी गिरफ्तार कर बरामद किया नौ हजार रुपए

प्रयागराज। पुरामुफ्ती पुलिस ने जुआ के फड़ पर छापा डालकर जुआ खेल रहे छा जुआरियों को गिरफ्तार किया है और पुलिस ने जुआरियों के कब्जे से 9 हजार एक सौ रुपए नगद ताश की गड्डी बरामद किया है पकड़े गए जुआरियों के विरुद्ध लिखा पढ़ी करने के बाद पुलिस ने जुआरियों को अदालत में पेश किया है पकड़े गए जुआरी पूरा मुफ्ती थाना क्षेत्र के फतेहपुर घाट के लिंक मार्ग पर पेड़ के नीचे जुआ खेल रहे थे जिस पर पुलिस ने छापेमारी कर जुआ खेल रहे जुआरियों को गिरफ्तार कर लिया है पकड़े गए जुआरियों में रमेश सिंह पटेल मनीराम शिवनाथ शिव कुमार उर्फ सूरज ऋतिक सोनकर अशफाक उर्फ सोनू के कब्जे से पुलिस ने नगद रुपए के साथ ताश की गड्डी बरामद किया है।

शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की लोगों से अपील

जंघई। पुलिस चौकी जंघई में रविवार शाम को एसडीएम हंडिया रमेश चंद्र मौर्य की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक हुई। बैठक में नवरात्रि और दुर्गा पूजा समारोह पर शांति व्यवस्था के लिए लोगों से सहयोग मांगा गया।एसडीएम रमेश चंद्र मौर्य और सीओ हंडिया रामसागर ने शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की बैठक में नवरात्र और दुर्गा पूजा समारोह को भाईचारे के साथ मनाने की अपील की गई माहौल बिगाड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई। एसडीएम ने ग्राम प्रधान सहित ग्रामीणों से अपील की कि त्योहारों को मिल-जुलकर मनाएं। अगर किसी क्षेत्र में किसी प्रकार की कोई समस्या है तो बता दें, जिससे इनका निस्तारण किया जा सके।सीओ हंडिया ने कहा कि नवरात्रि व दुर्गा पूजा के त्योहार पर कहीं पर भी नई परंपरा की शुरूआत न करें पूर्व में चयनित स्थलों पर ही देवी प्रतिमाओं की स्थापना करें।इस अवसर पर सरायममरेज इंस्पेक्टर तरुणेंद्र त्रिपाठी, चौकी इंचार्ज जंघई सुधीर कुमार पांडेय सहित तमाम प्रधान एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मऊआइमा में पीस कमेटी की बैठक सम्पन

मऊआइमा। मऊआइमा थाना परिसर में रविवार को पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें इंसपेक्टर सुरेश सिंह ने आपसी भाई चारे के साथ त्योहार मनाने की अपील किए। रविवार को शाम के समय पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें इंसपेक्टर सुरेश सिंह ने पुराने परम्परा रास्तों से ही दुर्गा प्रतिमाएं ले जाएं और कोई नई परम्परा न किया जाए। जिससे क्षेत्र का माहौल खराब हो। इंस्पेक्टर ने कहा कि मऊआइमा क्षेत्र में कुल 76 स्थानों पर दुर्गा प्रतिमा स्थापित होती है। सभी कमेटी लोग थाने में लिखित रूप से देंगे कि कब किस स्थान पर दुर्गा प्रतिमाएं विसर्जित होती है। ताकि थाने से फोर्स तैनात किया जा सके। यदि कोई बात हो तो उसकी सूचना पुलिस को दें। इस अवसर पर दिनेश त्रिपाठी, निमिष खत्री ,अजय अग्रहरि ,रमेश सोनी ,शम्भूनाथ पटेल ,सचिन कुमार साहू ,प्रेम चन्द्र ,राम सजीव पटेल ,गुड्डू प्रधान सहित बहुत से लोग शामिल हुए।

गाजे-बाजे ढ़ोल नगाड़ों के साथ पंडाल में पहुंचीं दुर्गा प्रतिमाएं

जंघई। शारदीय नवरात्र के अवसर पर दुर्गा पूजन महोत्सव सोमवार को शुरू होगा। विभिन्न स्थानों पर प्रतिमा स्थापित किए जाने हेतु पंडालों का निर्माण और सजावट तथा प्रकाश की व्यवस्था अब अंतिम दौर में है। प्रतिमाएं पंडालों में गाजे-बाजे के साथ ले जाकर सुरक्षित रख दिया गया है। प्राण प्रतिष्ठा के साथ सोमवार से पट खुलेगा और दर्शन-पूजन शुरू होगा। ग्रामीण इलाके में ज्यादा प्रतिमाएं प्रति वर्ष स्थापित की जाती हैं। समितियों में शामिल युवा वर्ग का उत्साह देखते बनता है। टोली बनाकर ट्रैक्टर और पिकप से दुर्गा मां की प्रतिमाएं रविवार को पंडालों में जयकारे के साथ लाई गईं।

फायर सेफ्टी एवं फायर प्रिवेन्शन कार्यशाला का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

दीप प्रज्वलित करते जिलाधिकारी

प्रयागराज। मण्डलायुक्त प्रयागराज परिक्षेत्र के नेतृत्व में फायर सेफ्टी एवं फायर प्रिवेन्शन कार्यशाला काआयोजन किया गया एवं जिलाधिकारी एव एस०एस०पी० प्रयागराज के में मार्गदर्शन मे कार्यक्रम किया गया जिसमे दीप प्रज्जवलित करके मण्डलायुक्त कार्यक्रम का शुभारम्भ किये एवं मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी एसएसपी ने अग्नि सुरक्षा के बारे मे बताया, इसके पश्चात सी०एफ०ओ० डॉ० राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा पावर प्रजेन्टेशन के माध्यम से आग से बचाव के बारे मे पूर्ण विवरण बताया गया एवं एफ0एस0ओ नागेन्द्र प्रसाद द्विवेदी द्वारा दिल करके गैस सिलेण्डर की आग को बुझाने के तरीके बताये गये सी०एफ०ओ द्वारा अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था के सम्बन्ध में निर्देश दिया गया कि सभी होटल व्यवसायी हाईराइज बिल्डिंग स्वामी, हास्पिटल स्वामी विद्यालय प्रबन्धक अपने अपने भवन का इलेक्ट्रिक सेफ्टी आडिट अवश्य करायें कार्यक्रम में अनिल कुमार सिविल डिफेंस,प्रिम रोज संस्थान के प्रबंधक फरहान आलम, सारथी फाउण्डेशन के रौनक कुमार, पूर्व मजिस्टे एमएच जैदी अग्नि सुरक्षा नियम अधिनियम पर प्रकाश डाला।

भाजपा के वरिष्ठ नेता विद्या कांत तिवारी का हृदय गति रुकने से हुआ निधन

सैदाबाद। हंडिया क्षेत्र के चर्चित बीजेपी नेता विद्याकांत तिवारी के हृदय गति रुकने से मौत हो गई आकस्मिक निधन से बीजेपी कार्यकताओं में शोक की लहर दौड़ गई । बता दे कि सैदाबाद खपटिहा तिवरान गांव के रहने वाले बीजेपी नेता बहुत ही हंसमुख व सहज नेताओं में गिनती होती थी तथा बहुत ही मिलनसार स्वभाव के क्षेत्र के नेता माने जाते थे । परिजनों से बातचीत में पता चला है कि इन दिनों विद्याकांत तिवारी उड़ीसा में थे तथा परिजनों ने यह भी बताया कि अंतिम संस्कार हंडिया क्षेत्र के सैदाबाद उनके पैतृक गांव ले आकर ही किया जाएगा तथा यह भी बताया कि दाह संस्कार क्षेत्र के सिरसा घाट पर संपन्न होगा।

पूरी भव्यता के साथ निकला नैनी का कर्ण घोड़ा जुलूस

शोभा यात्रा में दर्जनों कलात्मक झांकियां आकर्षण का केंद्र, छीर सागर में भगवान विष्णु के साथ माता लक्ष्मी व शेषनाग की झांकी भी कर रही थी आकर्षित

नैनी। सार्वजनिक रामलीला समिति, पीएसी ग्राउंड नैनी से शनिवार को भव्यता के साथ कर्ण घोड़ा जूलसू शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा रामलीला मैदान से उठकर शनि मंदिर चौराहा, चक भटाही, अरैल मोड़ तिराहा, काटन मिल, नैनी बाजार, हनुमान नगर, मेवा लाल बगिया, सब्जी मंडी होते हुए पुनः रामलीला मैदान जाकर समाप्त हुई। शोभा यात्रा में दर्जनों कलात्मक चौकियां, डीजे, रोड लाइट, बैंड बाजा व घोड़ा शामिल रहा। झांकियों में मुख्य रूप से छीर सागर में भगवान विष्णु के साथ माता लक्ष्मी शेषनाग, राधा कृष्ण- कृष्ण बलदाऊ, नारद मोह, काली स्वांग, राम-हनुमान मिलन, सीता-स्वयंवर, व कृष्ण राधा नृत्य मुख्य आकषर्ण का केंद्र रही।शोभा यात्रा में मुख्य संरक्षक विनीत पांडेय, अध्यक्ष राकेश जायसवाल, महामंत्री नयन कुमार कुशवाहा, दिलीप केसरवानी, आकांक्षा जायसवाल, मीडिया प्रभारी सुनील केसरवानी अजय मिश्रा, हरे कृष्ण तिवारी, समर बहादुर सिंह, लक्ष्मी नारायण तिवारी, सिद्धार्थ पांडेय, हिमांशु, धीरेंद्र यादव, पवन यादव, मनोज सिंह, शुभम तिवारी, विजय सिंह, प्रमोद सिंह, सुरेश पटेल आदि मौजूद रहे।

घर के सामने तालाब में मिली वृद्ध की लाश परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

हनुमानगंज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के जमुनीपुर गांव निवासी नरेंद्र प्रकाश श्रीवास्तव उर्फ सच्चन ?65 की लाश शनिवार की देर रात घर के सामने तालाब में मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। परिजनों का कहना है कि नरेंद्र प्रकाश श्रीवास्तव शनिवार शाम 7 बजे के करीब घर से टार्च लेकर घर के पास स्थित किराने की दुकान पर सिंघाड़े का आटा लेने गए थे। काफी देर इंतजार के बाद परिजन 9 बजे दुकानदार से फोन पर पूछा तो पता चला कि वो आटा लेकर चले गए। काफी देर इंतजार करने के बाद जब नरेंद्र नही आये तो परिजन खोजबीन करने लगे। रात्रि करीब 11 बजे परिजनों की नजर जब सामने तालाब की ओर गई तो वह भौचक्के रह गए। नरेंद्र की लाश पानी में उतराई थी। नरेंद्र की मौत से घर में कोहराम मच गया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को तालाब से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नरेंद्र के चेहरे पर चोट का निशान देख बेटे गौरव श्रीवास्तव ने अज्ञात के खिलाफ हत्या की आशंका जताते हुए थाने में तहरीर दिया। एस?ओ सुशील दुबे ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में वृद्ध की मौत का कारण तालाब में डूबने से बताया गया है।

ड्यूटी के दौरान भी नहीं पहनते टोपी...

पुलिस की शान वर्दी और टोपी फिर भी जवान से लेकर अफसर तक को है परहेज !

अखंड भारत संदेश

टोपी तो हमारी शान और पहचान है : सीओ मेजा

मेजा। पुलिस की शान उसकी वर्दी और टोपीण्ण्ण इसी के भरोसे तो आम लोग उन्हें कानून का रखवाला मानते हैं। फिर सिर.माथे रखी जाने वाली टोपी के तो क्या कहनेण्ण्ण लेकिन अफसोस पुलिस में सिपाही से लेकर अफसर तक टोपी पहनने से परहेज करने लगे हैं। नतीजाए वे उसे मरोड़कर कमर से लगे बेल्ट या फिर जेब में ठूंस लेते हैं। कोई बाइक के हैंडल में लटकाकर रखता है तो कोई उसमें लगे बैग में डाल देता है। थानों तक में इन्हें यहां.वहां टेबल पर पड़े देखा जा सकता है। यह अनुशासनहीनता भी है और टोपी का अपमान भी। पुलिस के लिए टोपी पहनना उतना ही जरूरी है जितना पेंट.शर्टए वर्दी पर नेम प्लेटए नंबर बैजए बेल्ट और जूते.मोजे। इनमें से कोई एक मौजूद न हो तो वर्दी पूरी नहीं मानी जाती।इसके लिए ट्रेनिंग के दौरान खूब पाठ पढ़ाया जाता है। खाकी यूनिफॉर्म है पुलिस की आन बान शान है। ट्रेनिंग में खासतौर पर इसकी जानकारी भी दी जाती है।इसका महत्व समझाया जाता है। इसके बाद सेवा में आते ही उन्हें कैप पहनना अच्छा नहीं लगता। इस संवाददाता ने इसकी हकीकत जानने की कोशिश की तो बिना टोपी मिले पुलिसकर्मियों व उपनिरीक्षकों द्वारा बहाने के ढेर लग गए। वह भी ऐसे कि इनकी गंभीरता पर सवाल खड़े हो जाते हैं ।किसी ने कहा भईया खास मौकों या अफसरों के सामने जाने पर ही टोपी पहनते हैं। दिनभर पहनेंगे तो लोग ठोला कहना शुरू कर देंगे। थाने में रोजनामचा लिख रहे हेड कॉन्स्टेबल के सिर पर भी टोपी नहीं रहती। कोई भी आए.जाए उन्हें मतलब नहींए अफसरों की आमद होती है तो उसके पहले पहन लेते हैं। एक सिपाही ने यहां तक कहा कि कैप पहनकर ड्यूटी करने से सिर में हवा नहीं लगती। पसीना बहता है। अफसरों के गुजरने के बारे में पहले से पता चल जाता है। जब उनकी गाड़ी नजर आती है तो पहनकर सामने खड़े हो जाते है। सिपाही के अनुसार दिन भर टोपी पहनना अच्छा नहीं लगता। बाल गड़बड़ हो जाता है।अधिकारी जैसे ही आनेवाले होते है या प्वॉइंट ड्यूटी होती है तो इसे पहनना पड़ता है। चाहे संपूर्ण समाधान दिवस होएसमाधान दिवस या फिर अन्य मौके। सिपाही से लेकर अधिकारी तक टोपी पहनने से गुरेज करते हैं।वर्तमान समय में नवागंतुक सीओ मेजा विमल कुमार मिश्र इस मामले में मिशाल बनकर दस्तक दी है।ड्यूटी पिरियेड में तो टोपी सिर पर ही सुशोभित रहती है।यहां तक की आप अपने वाहन में हैं तो टोपी सिर पर।आफिस में हो या फिर अन्य स्थानों पर ड्यूटी के दौरान उनकी टोपी वर्दी की शोभा बहाने में चार चांद का काम करती है। बता दें कि प्रदेश में सिपाही से लेकर निरीक्षक तक की कैप खाकी रंग की होती है।उसके ऊपर के अधिकारियों की नीली टोपी होती है।पहले सिपाही की टोपी फोल्डिंग हुआ करती थी।अब उसमें बदलाव कर दिया गया है।यह बदलाव 2018 में स्मार्ट पुलिसिंग विद स्मार्ट पुलिस मैन की योजना के तहत किया गया।कॉन्स्टेबल से इंस्पेक्टर की टोपी खाकी बैरेट टोपी ;गोलद्धकहलाती है।लेकिन दरोगा स्मार्ट बनने के चक्कर में पी कैप पहनते हैं।जबकि फील्ड में काम करने वाले दरोगा के लिए बैरेट टोपी पहनने के आदेश हैं। सीओ और उससे ऊपर डीजी तक की टोपी नीली बैरेट कैप कहलाती हैं।

कार्यकताओं का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं : रेवती रमण

अखंड भारत संदेश

कोरांव। पूर्व राज्य सभा सांसद एवम वरिष्ठ नेता समाजवादी पार्टी कुंवर रेवती रमण सिंह आगामी निकाय चुनाव व लोकसभा चुनाव की आहट को देखते हुए यमुनापार के धरवारा सुहास कोरांव कोसफरा सेमरी बाघराय समेत क्षेत्र का व्यापक दौरा किया।सपा नेता द्वारा किए गए दौरे में क्षेत्र के कई संभ्रांत जनों से मुलाकात करते हुए कुशलक्षेम जाना और क्षेत्र में बिजली पानी धान की फसल देर से हुई धान की रोपाई की प्रगति की जानकारी हासिल किया।इसी दौरान सपा नेता ने नगर पंचायत कोरांव में ओमप्रकाश केसरी पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि कोरांव के आवास पर पत्रकार वार्ता करते हुए कहा कि पार्टी के किसी भी कार्यकर्ता और जनता का उत्पीड़न नही होने दिया जाएगा।बीते दिनों ग्राम सभा कोसफरा में ग्रामीणों एवम बिजली विभाग के कर्मियों द्वारा बिजली चेकिंग अभियान के दौरान एक महिला छेड़खानी के आरोप होने के बावजूद बिजली विभाग के द्वारा सोमदत्त सिंह पटेल जिला महासचिव समाजवादी पार्टी व जिला पंचायत सदस्य सहादत अली अजीत सिंह पटेल एडवोकेट समेत अन्य लोगों पर फर्जी ढंग से एससी एसटी लूट समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा लिखे जाने पर सपा नेता ने गहरी नाराजगी जताते हुए निंदा की और कहा कि यदि शीघ्र ही उक्त प्रकरण में मुकदमा नही वापस लिया गया और पीड़ित महिला एवम दलित के उत्पीड़न पर आरोपी जेई के उपर कार्यवाही नहीं हुई तो सड़क पर उतर कर आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर मुख्य रूप से ललन सिंह देशराज सिंह योगेंद्र प्रताप सिंह रामबाबू सिंह ओमप्रकाश केसरी राजेश पांडे ओमप्रकाश कुशवाहा प्रमोद मिश्र पयासी मेहताब खान राम गोपाल सिंह पवन सिंघाल अनीता शुक्ला राजकुमार केसरी भागीरथी केसरी सचिन केसरी मुस्ताक खान नौशाद अंसारी युसूफ अली हारून अली रामानुज यादव मुन्ना सिंह राघवेंद्र सिंह दिनेश पटेल रामदेव निडर समेत अन्य पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नए पुल पर महिला को ट्रक ने कुचला, मौत

प्रयागराज। नए यमुना पुल पर रविवार शाम ट्रक की टक्कर से बाइक सवार 40 वर्षीय महिला की मौत हो गई। बाइक चला रहा युवक हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर निकल भागा। हादसे का शिकार हुईं गायत्री देवी महिलाओं के समूह की संचालक थी। बाघम्बरी गद्दी के रहने वाले विनोद कुमार की पत्नी गायत्री देवी रविवार को मोहत्सिमगंज के रहने वाले लालबाबू केसरवानी के साथ बाइक से नैनी स्थित समूह के कार्यालय गई थीं। शाम को दोनों बाइक से लौट रहे थे। नए यमुना पुल पर ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर लगने से दोनों सड़क पर गिर गए। ट्रक गायत्री को कुचलते हुए आगे निकल गया। जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई जबकि लालबाबू गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। खबर पाकर महिला के परिवार के लोग रोते बिलखते पहुंच गए।

लाइलाज मर्ज बन गई है कोरांव की विद्युत समस्या !

अखंड भारत संदेश

आए दिन फाल्ट से परेशान हैं हर फीडर के उपभोक्ता, राजस्व वसूली का तो रहता है टारगेट तय लेकिन फाल्ट सुधार की कोई तय सीमा नहीं

कोरांव ग्रामीण इलाके में पानी में लगा ट्रांसफार्मर

पसना। प्रयागराज जिले के यमुनापार इलाके की प्रमुख तहसील एवं टाउन एरिया कोरांव में सुचारू रूप से बिजली आपूर्ति हेतु शासन की ओर से तहसील मुख्यालय के पास 132 केबीए का पावर हाउस बना है। जिसके द्वारा तहसील क्षेत्र के सभी उप केंद्रों जैसे कोरांव ग्रामीण व नगर देवघाट लेडियारी लाल तारा आदि को विद्युत आपूर्ति की जाती है। शासन के निदेर्शानुसार ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे बिजली आपूर्ति का मानक तय है लेकिन कोरांव तहसील के किसी भी डर पर शायद ही कभी 18 घंटे बिजली आपूर्ति मिलती हो। लोकल फाल्ट के कारण आए दिन 24 घंटे से ज्यादा समय तक बिजली के लिए उपभोक्ता तरस जाता है लोकल फाल्ट समय पर ठीक ना हो पाने का कारण सिर्फ अधिकारियों व कर्मचारियों की अकर्मण्यता व उदासीनता मात्र है, बरसात के मौसम में ग्रामीण अंचल में कभी-कभी दर्जनों गांव की बिजली हफ्तों बंद रहती है उपभोक्ता उपखंड अधिकारी अवर अभियंता लाइनमैन आदि को समस्या निस्तारण हेतु फोन करता रहता है लेकिन समस्या निस्तारण तो दूर संबंधित का फोन तक नहीं उठता । किसी आकस्मिक दुर्घटना के होने पर अन्य विभाग के अधिकारियों के माध्यम से ही बिजली विभाग को सूचना मिल पाती है। कोरांव ग्रामीण उप केंद्र के पसना फीडर पर कुछ महीने पहले सरकारी लाइनमैन के स्थानांतरण के बाद अभी तक किसी लाइनमैन की नियुक्ति नहीं हो पाई जिसका फायदा उठाकर संविदा पर तैनात कर्मी अपनी मनमानी पर उतारू रहते हैं इस फीडर पर तैनात 2 संविदा कर्मियों की आपसी खींचतान के कारण भी आए दिन उपभोक्ता को अंधेरे में रहना पड़ता है। शाम के समय फाल्ट होने पर न तो कोई जिम्मेदार अधिकारी इन्हें फाल्ट ठीक करने का निर्देश देता है न तो स्वयं संविदा कर्मी अपने उत्तरदायित्व को निभाने के लिए तैयार रहते हैं। इसी तरह देवघाट उप केंद्र से संबंधित बड़ोखर फीडर पर भी तैनात संविदा कर्मी की बदौलत बड़ोखर क्षेत्र के उपभोक्ता भी आए दिन अधिकारियों से बिजली समस्या का रोना रोते हैं, लेकिन अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंगती ! कोरांव तहसील की चरमराई विद्युत व्यवस्था हेतु संविदा कर्मियों की मनमानी से ज्यादा अधिकारियों का उदासीन रवैया जिम्मेदार है उच्चाधिकारियों से ग्रामीणों की मांग है कि कोरांव तहसील की विद्युत समस्या पर ध्यान देते हुए कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति करें,जिससे शासन के मंशाअनुरूप विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

नवरात्रि की तैयारियां पूरी, आज से शुरू होगी मां की आराधना

बेल्हा देवी मंदिर में हुई बैरीकेटिंग

बाजारों में दुर्गा पूजा की सामग्री खरीदती महिलाएं।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नवरात्रि की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। शहर से गांव तक दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित होने के लिये निकल पड़ी हैं। सोमवार को प्रातः से शहर व ग्रामीणांचल मां की पूजा अर्चना में लीन हो जाएगा। पहले दिन मां के स्वरुप शैलपुत्री की पूजा होगी।

आज मूर्तिकारों के यहां से देर शाम तक दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित होने के लिये निकलती रहीं। बेल्हा देवी धाम में भारी भीड़ होती है, इसे देखते हुए आज पूरे परिसर की सफाई नगर पालिका द्वारा की गई। पूरे परिसर में बैरीकेटिंग लगाई गई है। सभी वाहनों को मंदिर की सड़क के ढलान के ऊपर ही रोक दिया जाएगा।

बता दें कि मां दुर्गा के सभी नौ रुपों की पूर्जा अर्चना अलग-अलग दिन की जाती है। शांतिपूर्ण ढंग से पूजा अर्चना के लिये प्रषासन ने सुरक्षा के बंदोबस्त किये हैं। इसके अलावा हिन्दू समाज में घर-घर कलष स्थापित कर मां दुर्गा की पूजा अर्चना की जाती है। भक्तगण नौ दिनों का व्रत रखते हैं। वृद्ध व बच्चे पहला व अष्टमी दो दिन का व्रत रखते हैं। नवरात्रि की तैयारी के लिये आज बाजारों में भीड़ देखी गई।

पूजन अर्चन के लिए पांडालों में देवी प्रतिमाओं का हो रहा आगमन

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। नवरात्रि को लेकर रविवार को एक दिन पूर्व दिनभर गाजे बाजे के साथ दुर्गा प्रतिमाओं को श्रद्धालु पांडालो पर ले आने को लेकर मगन देखे गए। देवी मइया के जयकारे के बीच श्रद्धालुओं का समूह ट्रैक्टरों पर मां दुर्गा, भगवान गणेश व भगवान कार्तिकेय एवं मां. सरस्वती की प्रतिमाओं को नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बने पांडालों पर पहुंचाने में मगन दिखे। वहीं नवरात्रि को लेकर नगर के हरिहर मंदिरम तथा इनहन भवानी धाम, गुम्मौर देवी वन, चतुर्भुज देवी आदि मंदिरों पर रविवार को सामूहिक साफ सफाई तथा सजावट को लेकर भी आयोजकों को मशक्कत करते देखा गया।

मंदिरों व पांडालों पर नवरात्रि में विभिन्न दुर्गा पूजा समितियों द्वारा देवी जागरण व अन्य सांस्कृतिक आयोजनों की भी धूम रहेगी। बाबा घुइसरनाथ धाम के समीप सई नदी में इधर जल स्तर में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। इसे देखते हुए सांगीपुर पुलिस भी नवरात्रि में यहां श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने को लेकर एहतियातन नदी में स्नान को लेकर प्रबंधों की रूप रेखा बनाने में लगी दिखी।

पांच साल से खराब है पानी की टंकी का मोटर

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी तहसील क्षेत्र के रामपुर खागल गांव में बनी हुई पानी की टंकी बीते 5 साल से शोपीस बनकर रह गई है। सरकार की योजना यह थी कि हर घर को सुलभ और स्वच्छ जल उपलब्ध कराया जाएगा, इसके लिए गांव में टंकी का निर्माण कराया गया था, लेकिन बीते 5 साल से टंकी खराब है। कई बार शिकायत करने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई।

पट्टी विकासखंड के रामपुर खागल गांव में करीब 10 साल पहले चार गांव की आबादी को सहूलियत देने के लिए लगभग बारह लाख रुपए की लागत से पानी की टंकी का निर्माण कराया गया

शोपीस बनकर रह गई है पानी की टंकी

था। टंकी से 5 साल तक रामपुर खागल, रमईपुर दिशिनी, सेवा पट्टी आदि गांव में सुबह-शाम पानी की आपूर्ति की जाती थी, लेकिन 5 साल पहले पानी की टंकी में लगा हुआ मोटर अचानक जल गया, जिसके बाद आपूर्ति बंद हो गई। स्वच्छ जल को सुलभ कराने की सरकार की योजना ठप हो गई और पानी की टंकी सिर्फ शोपीस बनकर रह गई। मोटर की मरम्मत के लिए ग्रामीणों ने कई बार शिकायती पत्र विभागीय अधिकारियों को दिया लेकिन मामला सिफर ही रहा। गांव के रहने वाले गुड्डू यादव का कहना है कि पानी की टंकी सिर्फ शोपीस बनी हुई है। बीते 5 साल में पानी की टंकी की मोटर खराब होने के संबंध में कई बार शिकायत किया गया लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। चंद्रकेश वर्मा पूर्व प्रधान का कहना है कि पानी की टंकी खराब हो चुकी है इसके मरम्मत के लिए कई बार शिकायती पत्र दिया गया लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ इसी तरह गांव के रहने वाले राजेश सिंह, राधेश्याम राकेश ,राजू, राम अजोर वर्मा, प्रमोद यादव, रजनीश गिरी आदि लोगों ने भी बताया कि गांव में अब पानी की टंकी से कोई फायदा नहीं है विभागीय अधिकारी शिकायती पत्र देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

सांसद ने जनसंपर्क के दौरान लोगों की सुनी समस्यांए

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। जिले के सांसद संगमलाल गुप्ता ने रविवार को लालगंज बाजार तथा समीपवर्ती गांवों में लोगों से मिलकर समस्याओं की जानकारी ली। सांसद ने लोगों को समस्याओं के निदान का भरोसा दिलाया। वहीं जनसंपर्क के दौरान कार्यकताओं व समर्थकों को सम्बोधित करते हुए सांसद ने कहा कि केन्द्र व उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार होने से बहुमुखी विकास तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होने केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की भी सराहना करते हुए पीएम मोदी के नेतृत्व को मजबूत बनाए रखने का आह्वान किया। सांसद संगमलाल ने नगर पंचायत के सांगीपुर वार्ड, उमापुर, खालसा सादात, बाजार खास, पंडित का पुरवा, शीतलमऊ, जैनपुर आदि स्थानों पर पहुंचकर पार्टी समर्थकों व कार्यकताओं से मुलाकात की। सांसद का कार्यकताओं ने संपर्क के दौरान माल्यार्पण कर स्वागत भी किया। इस दौरान ओम प्रकाश पांडेय गुड्डू, झुन्ना तिवारी, बीएन सिंह, धीरज दुबे, पप्पू गुप्ता, सभासद बृजेंद्र पांडेय मंटू, अभिषेक पांडेय, विवेक उपाध्याय, राजेश मिश्रा, बबलू मिश्रा, जगत पासी, गट्टे मिश्रा, सोनू कौशल, विनोद सोनी, नीतेश दुबे, जगदीश दुबे, बबलू मिश्रा आदि रहे।

पं0 दीनदयाल के सपनों को साकार कर रहे पीएम व सीएमः प्रेमलता

स्टेशन पर लगी पं0 दीनदयाल की प्रतिमा का नपाध्यक्षा ने किया माल्यार्पण

पं दीनदयाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद नपाध्यक्षा प्रेमलता सिंह।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर आज भारतीय जनता पार्टी ने जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किया। उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया और उनके आदर्षों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नगर पालिकाध्यक्षा प्रेमलता सिंह ने रविवार को पूर्वान्ह साढे. ग्यारह बजे स्टेषन रोड पर लगी पंडित दीनदयाल की प्रतिमा पर पहुंचकर उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि इस बात की खुषी है कि देष के प्रधानमंत्री मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनके सपनों को साकार कर रहे हैं। नपाध्यक्षा ने नागरिकों से अपील किया कि हम महापुरुषों को न केवल याद करें, बल्कि उनके आदर्शों को अपनाकर अपना जीवन चरितार्थ कर सकें। उन्होंने नागरिकों से खुषी व उल्लास के साथ नवरात्र मनाने की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सबसे जरुरी है कि नागरिक आपसी सौहार्द बनाए रखें। यह कार्य लोगों के संयम बरतने से ही हो सकता है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका शहर को साफ-सुथरा रखने के लिये संकल्पबद्ध है। इस अवसर पर सफाई प्रभारी प्रषांत सिंह, मिथिलेष सिंह, सभासद आषीष, धर्मषील शुक्ला आदि मौजूद रहे।

ब्लाक सभागार में धूमधाम से मनी पं0 दीनदयाल की जयंती

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी रविवार को एकात्म मानव दर्शन के प्रणेता राष्ट्रीय चिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 105 वी जयंती धूमधाम से पट्टी नगर स्थित ब्लॉक सभागार में मनाई गई। भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता सहित सैकड़ों लोग कार्यक्रम में मौजूद रहे। इस दौरान पंडित जी की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि दी गई तथा उनके दिखाए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। मुख्य अतिथि के रूप में ब्लाक प्रमुख पट्टी राकेश कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पंडित जी का सारा जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित रहा, समाज की पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति से उनके चिंतन की शुरूआत होती है। कार्यक्रम का संचालन भारतीय जनता पार्टी के नेता और किसान मोर्चा के जिला महामंत्री रामचरित्र वर्मा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पट्टी नगर अध्यक्ष खेदनलाल जायसवाल, पूर्व चैयरमैन जुग्गीलाल जायसवाल, अशोक जायसवाल, अशोक श्रीवास्तव, जिला पंचायत सदस्य गिरीश चंद्र जायसवाल, केएल विश्वकर्मा, शिवकुमार पांडेय, सभासद भोला सिंह, ब्रह्मदेव मिश्रा, कमलेश मिश्रा किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष, अनिल सिंह, राम अकबाल सिंह, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष नीतू सिंह क्षेत्र पंचायत सदस्य अरुण पाठक, पट्टी मंडल उपाध्यक्ष जय प्रकाश सोनी रामकोला मंडल अध्यक्ष रामाश्रय शुक्ला पट्टी मंडल अध्यक्ष शिव कुमार वर्मा सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रामचरित्र वर्मा ने किया।

यह कैसा स्वच्छता अभियान सरकारी संस्थानों के सामने कूड़े का ढेर

राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगा गंदगी का अंबार, जिम्मेदार बेखबर

राष्ट्रीय राजमार्ग पर गंदगी का अम्बार।

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। देश भर में गांधी जयंती तक चलाए जा रहे विशेष स्वच्छता अभियान पर जिम्मेदार पानी फेर रहे है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सरकारी संस्थानों के पास ही कूड़े का ढेर लगा हुआ है। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र स्थित रानीगंज कैथौला बाजार लखनऊ-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है। यहाँ साफ-सफाई इस कदर है की जिस तरफ देखो कूड़े का ढेर ही दिखाई देता है।

जब कि देश भर में 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। वही राजमार्ग के किनारे इकट्ठा कूड़े का ढेर जिम्मेदारों की लापरवाही को दशार्ता है। पुलिस चैकी व यूको बैंक के बगल ही गंदगी का अंबार लगा हुआ है। यह गंदगी जहां स्वच्छता अभियान पर पानी फेर रही है वही एक तरफ संक्रामक को भी दावत दे रही है। अधिकारियों की इस तरह लापरवाही के चलते शासन द्वारा चलाया गया स्वच्छता अभियान आखिर कैसे सफल हो पाएगा। वहीं लोगों की शिकायत के बावजूद भी कोई भी सुनने को तैयार नहीं है।

खाद गढ्ढे पर भू माफियाओं का कब्जा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। रानीगंज कैथौला बाजार स्थित खाद गढ्ढे पर भू माफियाओं ने कब्जा कर रखा है। लवाना राजमार्ग पर स्थित करोड़ों की कीमत की खाद गढ्ढे की भूमि पर बाजार के ही कुछ दबंगो ने कब्जा कर लिया है। कूड़े का स्थान खत्म होने की वजह से मजबूरी में बाजारवासी कूड़े को राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे ही फेक देते हैं।

अज्ञात चोरों ने उड़ाए नकदी व जेवरात, हाथ पर हाथ धरे बैठी है खाकी

लालगंज प्रतापगढ़। कोतवाली लालगंज के भदारी कला गांव में शनिवार की रात अज्ञात चोरों ने मकान में घुसकर हजारों की नकदी व महिलाओं के आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित रमाशंकर विश्वकर्मा के घर में परिवार के सदस्य दूसरे मंजिल पर सो रहे थे।

रमाशंकर किसी कार्य से घर से बाहर गया हुआ था। बदमाश घर में प्रथम तल पर घुस गए और शूटकेश में रखे हजारों की नकदी तथा जेवरात उड़ा लिए। सुबह पीड़ित परिवार घर में चोरी की वारदात को लेकर सामानों को तितर बितर देखा तो आवाक रह गया। पीड़ित ने घटना को लेकर रविवार को पुलिस को तहरीर दी। पुलिस का कहना है जांच कर घटना का खुलासा किया जाएगा। बता दें इधर माह भर से कोतवाली क्षेत्र में चोरी की वारदातों में लगातार बढ़ोत्तरी से लोग भय ग्रस्त देखे जा रहे हैं। अझारा गांव के उदियापुर में भी हाल ही में चोरी की घटना का अभी तक पुलिस खुलासा नही कर सकी है।

शिव बारात से रामलीला का होगा शुभारंभ

एएसपी ने पदाधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करते एएसपी।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। रामलीला समिति की तैयारियों की समीक्षा बैठक अध्यक्ष संजय खंडेलवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में रामलीला समिति के कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। 26 तारीख को शिव विवाह से रामलीला का शुभारंभ किया जाएगा। दोपहर 12 बजे भगवान भोलेनाथ की बारात गोपाल मंदिर से निकलेगी। बारात चैक होते हुए स्टेशन जाएगी वहां से चैक होते हुए चिलबिला हनुमान मंदिर से चिलबिला स्टेशन के सामने शिव पार्वती का विवाह जयमाल कराया जाएगा।

कार्यक्रम को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने भी रामलीला समित के पदाधिकारियों के साथ भ्रमण किया। अपर पुलिस अधीक्षक, सीओ सिटी, कोतवाल, चैकी इंचार्ज के साथ रामलीला के संरक्षक रोशनलाल उमरवैश्य, अध्यक्ष संजय खंडेलवाल, संयोजक दिनेश सिंह दिन्नू, मंत्री विपिन गुप्ता ने चिलबिला, गोपाल मंदिर, रामलीला मैदान का जायजा लिया और कार्यक्रम को संपन्न कराने के लिए दिशा-निर्देश दिए। संरक्षक रोशनलाल उमरवैश्य व अध्यक्ष संजय खंडेलवाल ने बताया कि कल की शिव बारात की पूरी तैयारियां पूर्ण कर ली है। प्रशासन के साथ सारे रास्ते व कार्यक्रम स्थल पर भी विचार विमर्श हो गया है। संयोजक दिनेश सिंह श्दिन्नू,श मंत्री विपिन गुप्ता ने सभी पदाधिकारियों से अपील किया कि शिव बारात में समय से पहुंचकर भव्यता प्रदान करने में सहयोग करें। इस अवसर पर श्याम शंकर सिंह, मनीष गुप्ता, सूरज, विकास, विवेक कुमार, धर्मेंद्र चैरसिया, बंटी नेता, सुरेश केडिया, राजेश अग्रवाल, पंकज शुक्ला, रवि अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

औपचारिकता बनकर रह गई पीस कमेटी की बैठक

परियावां, प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल थाना सर्किल क्षेत्र में कानून ब्यवस्था चाक चैबन्द बनाये रखने के लिए अपने मातहतों को क्राइम मीटिंग में सख्त निर्देश देते है तो दूसरी तरफ उनके मातहत किसी भी पर्व पर थाने में आयोजित पीस कमेटी की बैठक में सिर्फ चन्द लोगो को बुलाकर कोरम पूरा कर लेते है। क्षेत्र के सभ्रांत व वरिष्ठ ब्यापारियों को पीस कमेटी बैठक की जानकारी नही हो पाती, सिर्फ पुलिस डिजिटल ग्रुप में मैसेज भेज दिया जाता है जिसकी जानकारी बहुत कम लोगो को हो पाती है पुलिस डिजिटल ग्रुप में नवाबगंज परियावां आलापुर लवाना कुसुवापुर अंसारगंज, अदलाबाद के ब्यापारियों का नाम न जुड़ने से पीस कमेटी की बैठक की जानकारी नही मिल पाती जिससे पीस कमेटी बैठक में पुलिस व जनता के बीच बढ़ती दूरी कम हो सके इसे साफ जाहिर होता है कि अपने आला अफसर के आदेश का कुछ नाम चीन लोगो को बुलाकर कोरम पूरा कर लिया जाता है जिसका नजारा रविवार को नवाबगंज थाने में आयोजित पीस कमेटी की बैठक में देखने को मिला इतना ही नही आयोजित पीस कमेटी की बैठक में स्थानीय पत्रकारों को जानकारी देना या बुलाना पुलिस मुनासिब नही समझती जो समझ के परे है।

कालाकांकर में छोड़ी गई पच्चास हजार मछलियां

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। गंगा को प्रदूषण मुक्त व स्वच्छ निर्मल धारा बनाए रखने के लिए रविवार को मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया की अगुवाई में मत्स्य विभाग द्वारा कालाकांकर के पवित्र गंगा नदी में पच्चास हजार मछलियां छोड़ी गई, जिससे गंगा का जल शुद्ध पवित्र बना रहे। सीडीओ ईशा प्रिया ने मछली पालन पर प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यदि कोई अपने खेत मे मछली पालन के लिए तालाब खोदवाना चाहता है तो उसको अच्छी सब्सिडी मिलेगी। आगे कहा कि माह जून, जुलाई व अगस्त में मछली का शिकार नहीं करना चाहिए क्योंकि इन तीन महीने मछलियों का ब्लड सकुर्लेशन खराब रहता है जिसके खाने पीने से बीमारी फैलती है। इस मौके पर पूर्व सांसद राजकुमारी रत्ना सिंह, कुंवर मनीष सिंह, एडीओ पंचायत कालाकांकर संतोष कुमार शुक्ल, विकास कुमार, दीपांकर मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतापगढ़ नीलम भारती, मत्स विभाग कुंडा के जय घोष, मत्स प्रसार अधिकारी प्रतापगढ़ डीडीएफ विजयपाल प्रयागराज, डॉ घनश्याम यादव (मैनेजर राजभवन) योगेश पाल आदि लोग मौजूद रहे।

गंगा नदी किनारे मौजूद सीडीओ व पूर्व सांसद रत्ना सिंह।

संदिग्ध परिस्थिति में मिला युवक का रक्तरंजित शव

प्रतापगढ़। दिलीपपुर थाना क्षेत्र के नजियापुर गांव के पास संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का रक्त रंजित शव घर के पास मिलने से हड़कंप मच गया। बता दें कि गोली चलने की आवाज सुनकर परिजन नवीन के पास पहुचे तो खून से लथपथ नवीन का शव मिला। शव देखकर परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने नवीन की खुदकुशी की आषंका जताई है तथा नवीन लाइलाज बीमारी से जूझ रहा था। सूचना पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण को भेजवाया। अवैध असलहा नवीन के पास कैसे पहुचा इस बात की जांच में पुलिस जुटी हुई है।

मेडिकल कालेज में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में पुरस्कृत हुए प्रतिभागी

मेडिकल कालेज के प्राचार्य ने सभी के प्रति जताया आभार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रधानाचार्य डॉ आर्य देश दीपक की अध्यक्षता में डॉक्टर सोनेलाल पटेल स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के जैव रसायन विभाग द्वारा दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस का रविवार को समापन किया गया। कॉन्फ्रेंस का विषय न्यूयर ट्रेंड्स ऑफ बायोकेमिस्ट्री इन आन गोइंग मेडिकल साइंसेज, एसोसिएशन ऑफ क्लीनिकल बायोकेमिस्ट्री ऑफ इंडिया के तत्वाधान में किया गया।

प्रमुख रूप से कैंसर, मधुमेह, लाइफस्टाइल बीमारियां, मोटापा, उच्च रक्तचाप इत्यादि विषयों पर देश-विदेश से आए प्रमुख वैज्ञानिकों ने अपने शोध कार्य की जानकारी दी। इसमें प्रमुख रूप से डॉक्टर अतुल के टंडन प्रेसिडेंट एवं सीईओ न्यू बायोटेक्नोलॉजिस, कैलिफोर्निया, अमेरिका, प्रोफेसर आलोक धवन डायरेक्टर सीबीएमआर, डॉ पंकज सेठ, डॉ राजेंद्र प्रसाद, डॉक्टर जी एस तोमर, डॉ एसके दास, डॉ एस पी मिश्रा, डॉ सुमन के मिश्रा, ओहियो यूनिवर्सिटी, अमेरिका आदि ने अपने किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला। देश के विभिन्न भागों से आए हुए स्कॉलर द्वारा ओरल, पोस्टर और मॉडल प्रेजेंटेशन में प्रतिभाग किया गया।

प्रतिभागी को पुरस्कृत करते अतिथिगण।

ओरल प्रेजेंटेशन का प्रथम पुरस्कार डॉ शशि कांत वर्मा, सहायक आचार्य, जैव रसायन विभाग स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, प्रतापगढ़, पोस्टर प्रेजेंटेशन का प्रथम पुरस्कार एवं मॉडल प्रेजेंटेशन का प्रथम पुरस्कार एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों को विशेष अतिथि डॉ एसके दास, प्रेसिडेंट, एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमेस्ट्री इन इंडिया के द्वारा दिया गया।

समापन में प्रधानाचार्य डॉक्टर आर्य देश दीपक ने डॉ मोना सक्सेना, विभागाध्यक्ष, जैव रसायन विभाग के सदस्यों, आए हुए सभी वक्ताओं (ऑनलाइन एवं ऑफलाइन) डेलिगेट्स, छात्रों, कर्मचारियों, स्पॉन्सर्स, अन्य विभाग के संकाय सदस्यों तथा मीडिया कर्मियों को धन्यवाद किया।

खबर संक्षेप

तेज रफ्तार कार ने पुलिस की खड़ी सूमो में मारी टक्कर, सिपाही सहित 04 घायल

कौशाम्बी। सड़क के किनारे खड़ी पुलिस की सूमो गाड़ी में तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने टक्कर मार दी,टक्कर इतनी जबरदस्त थी की पुलिस की सूमो पीछे से चली गई।दुर्घटना में पुलिस की सूमो में सवार एसआई,एक सिपाही और कार सवार दो लोग घायल हो गए,दुर्घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को जिला अस्पताल इलाज के लिए भेजा घटना मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के कादीपुर मेडिकल कालेज के पास की है जहा शुक्रवार की देर रात लगभग 2.30 बजे गस्त से लौट रही सराय अकिल थाना पुलिस की सूमो गाड़ी में सवार एसआई जमालुद्दीन खां, कांस्टेबल रजेश घायल हो गए,वहीं कार सवार टेवा निवासी गोपाल और पश्चिम शरीरा क्षेत्र निवासी मोहन लाल घायल हो गए घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को जिला अस्पताल इलाज के लिए भेजा और क्रेन मंगवाकर स्विफ्ट गाड़ी को हाइवे के किनारे खड़ी करवाकर हाइवे का रास्ता क्लियर कराया और पुलिस की सूमो गाड़ी को पुलिस लाइन भेजा गया।

आगामी त्योहारों को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए अधिकारियों के साथ डीएम एसपी ने किया बैठक

अखंड भारत संदेश

शान्ति व कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों व सम्भ्रान्त नागरिकों को दिए गए निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार एवं पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा द्वारा सम्राट उदयन सभागार में दुर्गा पूजा, दशहरा, महर्षि वाल्मीकि जयन्ती, ईद-ए-मिलाद एवं बारावफात पर्व को सकुशल सम्पन्न एवं शान्ति व कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों व विभिन्न समुदाय के सम्भ्रान्त नागरिकों के साथ बैठक की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने अब तक थानावार-पीस कमेटी की बैठक एवं मूर्ति विसर्जन स्थलों को चिन्हित करने आदि की गयी कार्यवाही की जानकारी प्राप्त करते हुए उप जिलाधिकारियों से कहा कि यह अवश्य सुनिश्चित किया जाय कि मूर्ति स्थापना एवं रामलीला करने के लिए, आयोजको द्वारा अनुमति अवश्य प्राप्त कर लिया जाय। उन्होंने सभी ई0ओ0 एवं जिला पंचायत राज अधिकारी को कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर विसर्जन स्थलों की साफ-सफाई एवं प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने

दुर्गा पूजा के संबंध में बैठक करते डीएम एसपी

दुर्गा पूजा बैठक में शामिल विभिन्न धर्म के लोग

विसर्जन स्थलों में पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित रखने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिशासी अभियन्ता विद्युत को आवश्यकतानुसार विद्युत तारों को ऊँचा करने के निर्देश दिये, ताकि कोई अप्रिय घटना न होने पाये। उन्होने कहा कि विसर्जन स्थलों के चयन के सम्बन्ध में आयोजकों की सहमति अवश्य प्राप्त कर लिया जाय। उन्होंने सभी ई0ओ0 को खराब स्ट्रीट लाइटों एवं हाईमास्क लाईटों को ठीक कराने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों, क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को त्योहार रजिस्टर का अवलोकन करने एवं विसर्जन स्थलों को सूचीबद्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कड़ाधाम में मेला के दृष्टिगत थाना प्रभारी कड़ाधाम एवं ई0ओ0 को पार्किंग की बेहतर एवं व्यवस्थित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिशासी अभियन्ता विद्युत को जे0ई0 की ड्यूटी थानावार लगाकर उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होंने सी0एम0ओ0 को चिकित्सकों की ड्यूटी लगाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने सभी सम्बन्धित अधिकारियों से कहा कि शासन द्वारा निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार सभी गतिविधियॉं सुनिश्चित किया जाय। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि त्योहारों पर विशेष सतर्कता बरती जाय, किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न होने पाये। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को मूर्ति स्थापना स्थलों एवं रामलीला स्थलों का भ्रमण कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये तथा विसर्जन स्थलों की सूची सम्बन्धित ई0ओ0 एवं जिला पंचायत राज अधिकारी को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि प्रतिमाओं को ऐसे स्थल पर स्थापित किया जाय, जिससे मार्ग अवरूद्ध न होने पाये तथा पाण्डाल के ऊपर विद्युत की तार न गई हो एवं पुलिस की उपस्थिति में ही मूर्तियों को विसर्जन के लिए ले जाया जाय। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल/ पाण्डाल में आग बुझाने की सामग्री अवश्य रखी जाय। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थलों/पाण्डालों पर सीसीटीवी कैमरा अवश्य लगाया जाय तथा आप सीसीटीवी कैमरे की नजर में है लिखा हुआ पोस्टर भी चस्पा किया जाय। उन्होंने सभी से सहयोग करने की अपेक्षा करते हुए कहा कि त्योहार को आपसी सौहार्द के साथ मनाया जाय तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियाँ न होने पाये। उन्होंने कहा कि शान्ति एवं कानून व्यवस्था को बिगाड़ने का प्रयास करने वाले के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी इस अवसर अपर जिलाधिकारी जयचन्द्र पाण्डेय एवं अपर पुलिस अधीक्षक समर बहादुर सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण एवं सम्भ्रान्त नागरिक उपस्थित रहे।

नशे में मस्ती करने निकले प्रेमी जोड़ों की तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा कर पलटी

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई,तेज रफ्तार कार पलटते ही लोगों की भीड़ लग गई,लोगों ने कार सवार युवतियों और युवकों को बाहर निकाला,सूचना पर पहुंची पुलिस युवकों को अपने साथ पुलिस चौकी ले जाकर पूछताछ में जुट गई है। घटना कोखराज थाना क्षेत्र के मूरतगंज की है जहां शनिवार की रात एक तेज रफ्तार अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। कार के दुर्घटनाग्रस्त होते ही मौके पर पहुंचे लोगों ने कार सवार दो युवतियों और दो युवकों को बाहर निकाला गनीमत रही हादसे में कोई गंभीर घायल नही हुआ।कार सवार युवक शराब के नशे में धुत दिखाई दे रहे थे।वही दोनों युवतियां स्टाफ नर्स की ड्रेस में थी लोगों की सूचना पर पहुंची मूरतगंज चौकी पुलिस युवकों को लेकर चौकी पहुंची और पूछताछ कर रही है। प्रयागराज के बम्हरौली के एक नर्सिंग होम में काम करने वाले दो युवक और स्टाफ नर्स की ड्रेस में दो युवतियां कार से मौज मस्ती करने के लिए लॉन्ग ड्राइव पर निकले थे,मूरतगंज में तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई और पलट गई।हादसे में सभी कार सवार बाल बाल बच गए।घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवकों और युवतियों के घर वालो को सूचना दे दी है।

आज से शुरू हो रही है शारदीय नवरात्र

जानिए शुभ मुहूर्त व कलश स्थापना विधि

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। हर साल अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शारदीय नवरात्रि का प्रारंभ होता है. नवरात्रि में पूरे नौ दिन मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है. आज से शारदीय नवरात्रि शुरू होने वाली है, जिसको लेकर भक्तों में अभी से काफी उत्साह देखने को मिल रहा है. ऐसे में आइए जानते हैं नवरात्रि के शुरू करने का विधान और कैसे करे मां दुर्गा की पूजा और क्या है कलश स्थापना की सही विधि।

शारदीय नवरात्रि 2022 तिथि :

हिंदू पंचाग के अनुसार शारदीय नवरात्रि का प्रारम्भ 26 सितंबर से हो रहा है. नवरात्रि का समापन 05 अक्टूबर को होगा. नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा के नौ स्वरुपों की अलग-अलग पूजा की जाती है. नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना के बाद शैलपुत्री की पूजा की जाती है. जो लोग नौ दिन का व्रत नहीं रख पाते हैं, वे नवरात्रि के प्रथम दिन और अष्टमी के दिन व्रत रखते हैं.

कलश स्थापना शुभ मुहूर्त:

कौशाम्बी नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना की जाती है. इस बार नवरात्रि के पहले दिन यानी 26 सितंबर को कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 06 बजकर 11 मिनट से लेकर 07 बजकर 51 मिनट तक है. वहीं इस दिन सुबह 06 बजकर 11 मिनट से 07 बजकर 42 मिनट तक चौघड़िया का अमृत्त सर्वोत्तम मुहूर्त है. इस शुभ मुहूर्त में कलश स्थापना करना विशेष लाभकारी होता है।

जानिए कैसे करें कलश स्थापना : कौशाम्बी नवरात्रि के पहले दिन शुभ मुहूर्त में कलश स्थापना करें. इस दिन स्नान करने के पश्चात मिट्टी के बड़े पात्र में मिट्टी डालें और उसमें जौ के बीज डाल दें. इसके बाद पात्र में थोड़ी और मिट्टी डालें और फिर जौ के बीज और डाल दें. अब इसके बाद इसमें थोड़ा सा जल डालें।

इसके पश्चात एक कलश बनाएं :

कौशाम्बी एक छोटा सा तांबा या पीतल का पात्र ले उसमें कलश बनाएं कलश में मौली बांधकर तिलक लगाएं. अब आप कलश को गंगाजल से भर दें. इस जल में सुपारी, इत्र, दूर्वा, अक्षत और सिक्का डालें. इस कलश के किनारे पर पांच अशोक के पत्ते या आम की छोटी सी टहनी रखें और कलश को ढक दें. अब आप नारियल और चुनरी को रक्षा सूत्र से बांध दें. इसके बाद आप घटस्थापना वाले जगह को साफ कर वहां पर मिट्टी वाला पात्र जिसमें जौ डालें हैं उसके ऊपर अपने कलश को रखें. कलश के ढक्कन पर नारियल रख दें. इस तरह से आपकी कलश स्थापना पूरी हो जाएगी. इसके बाद मां दुर्गा का आहवाहन करके नवरात्रि की पूजा शुरू करें।

बालिका से अभद्रता करना छात्र को पड़ा भारी

कौशांबी। सराय अकिल थाना क्षेत्र के पावर हाउस स्थित एक निजी विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र को कुछ लोगों ने शुक्रवार को लात घूसों से पिटाई कर दिया पिटाई करने वाले लोगों का यह आरोप था कि यह मनचला छात्र विद्यालय में पढ़ने वाली एक बालिका से अभद्रता किया करता है जिस कारण से बालिका के अभिभावकों ने छात्र की जमकर पिटाई कर दी है। सूत्रों की माने तो पावर हाउस के पास स्थित विद्यालय में पढ़ने वाला ग्यारहवीं का छात्र लाखों की लग्जरी बाइक से स्कूल पहुंचा करता है। जिसे विद्यालय प्रबंधन द्वारा कई बार मना किया गया लेकिन अपनी उद्दंडता के कारण यह विद्यालय प्रबंधन की बात स्वीकार नहीं किया करता और जिसकी आदत पर कोई सुधार नहीं हुआ। छात्र इतना मनबढ़ हो गया है कि विद्यालय में पढ़ने वाली बालिका से अभद्रता भी करना प्रारंभ कर दिया जिसकी शिकायत बालिका ने अपने परिजनों से की तो परिजनों ने एक दो बार मनचले छात्र को समझाया जिसका मनचले युवा छात्र पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा तो बालिका के अभिभावकों ने छात्र के अमर्यादित आदतों से अजीज आकर जमकर लात घूसों से पिटाई कर दिया है।

कागजों पर शौचालय बनाकर 10 लाख का गबन

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। सरसवा ब्लॉक के चार गांवो में कागजों पर सामुदायिक शौचालय व सामुदायिक भवन बनाकर करीब 10,50 लाख रुपये का गबन करने का मामला सामने आया है। डीपीआरओ ने पूर्व प्रधान व सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। रिपोर्ट दर्ज कराने की चेतावनी भी दी है।ग्रामीणों के शिकायती पत्र पर तीन सदस्यीय टीम ने गांव जाकर जांच की थी टीम में ग्रामीण अभियंत्रण सेवा के अवर अभियंता प्रभात सिह सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) मारतंड सिह व ब्लॉक कोआर्डिनेटर (स्वच्छ भारत मिशन) शामिल थे। पता चला कि चार गांवो मे बनने वाले सामुदायिक शौचालयों का निर्माण दिखाकर राशि निकाल ली गई जबकि शौचालय सिर्फ कागजों में ही हैं। सामुदायिक शौचालयों के निर्माण के नाम पर महज ढांचा ही खडे करके धनराशि का बंदरबांट कर लिय गया था।

सामुदायिक शौचालय के नाम पर महज खडा किया गया ढांचा, मामला सरसवां क्षेत्र के बौली ,बरौली,गोराजू,ऐलई उर्फ बक्शीपार गांवों का

सरसवां के इन गांवों में सामुदायिक शौचालय में हो चुके हैं घोटाले

सरसवां विकासखंड की ग्राम पंचायत बौली में सामुदायिक भवन मरम्मत को कागजों पर पूरा दिखाकर लाखो रुपये निकाल लिए गए। मामले की जब जांच हुई तो पता चला कि पंचायत भवन की मरम्मत कराई ही नहीं गई है। डीपीआरओ ने प्रधान व सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी करके जवाब मांगा है विकासखंड की ग्राम पंचायत बरौली में प्रधान व सचिव ने मिलकर सामुदायिक शौचालय के नाम पर लाखो रुपये का घोटाला किया। मामले की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद डीपीआर ओ ने प्रधान को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। विकासखंड की ग्राम पंचायत गोराजू ,ऐलई उर्फ बक्शीपार मे बगैर सामुदायिक शौचालय निर्माण के धनराशि निकालकर सरकारी धन का बंदरबाट कर लिया गयो बता दें कि पूर्व में बरौली, बरौली, गोराजू, एलई उर्फ बक्सीपार गांव में ग्राम पंचायत अधिकारी सुरेंद्र कुमार की तैनाती थी`अब इन गांव के तत्कालीन ग्राम प्रधानों व सचिव से गबन की गई धनराशि की वसूली कराई जाएगी`जिसमें जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा दोषियों के विरुद्ध नोटिस जारी करके एक सप्ताह के अंदर जवाब मांगा गया है जिला पंचायत राज अधिकारी बाल गोविंद ने कहा कि शौचालयों के नाम पर लाखों का गबन हुआ है। जांच रिपोर्ट के आधार पर पूर्व प्रधान व सचिव को नोटिस जारी किया है। सात दिन में जवाब मांगा गया है संतोष जनक जवाब न मिलने पर एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

समाज को संगठित करना जरूरी है :पूर्व प्रमुख

अखंड भारत संदेश

युवा प्रजापति समाज की बैठक संपन्न हुई

कौशांबी। विधानसभा सिराथू के ग्राम गौसपुर नवावा टेढ़ीमोड़ में युवा प्रजापति मंच की बैठक जिला अध्यक्ष धूनेश प्रजापति की अध्यक्षता में रविवार को संपन्न हुई कार्यक्रम का संचालन कर रहे एडवोकेट रविकांत प्रजापति ने कहा कि युवा पीढ़ी शिक्षा की ओर बढ़ेगी तो समाज और क्षेत्र का नाम रोशन होगा उन्होंने युवाओं को आगे बढ़ने में हर संभव मदद का भरोसा दिलाया बैठक में मुख्य अतिथि पूर्व ब्लाक प्रमुख असोथर रीता प्रजापति ने कहा कि समाज को संगठित करना बहुत जरूरी है इसी क्रम में भूपेंद्र प्रजापति ने कहा की ज्यादा से ज्यादा संख्या समाज के युवाओं को शिक्षा से जोड़ना और उनका विकास कराना प्रमुख उद्देश्य है विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री राम प्रजापति उपस्थित रहे इस अवसर पर राम प्रसाद प्रजापति , धर्मेंद्र प्रजापति सत्यम प्रजापति बुधराम प्रजापति प्रभु दयाल प्रजापति मनोज प्रजापति कृष्णकांत प्रजापति सूबेदार प्रजापति हरी लाल प्रजापति बुधराम प्रजापति तिलक नारायण प्रजापति दुखी लाल प्रजापति अजय प्रजापति राकेश मिथुन चक्रवर्ती रमेश प्रजापति सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे बैठक में रचनात्मक कार्य शिक्षा पर ध्यान देने पर चर्चा की गई इसके अलावा सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के संबंध में भी विचार विमर्श किया गया।

बैठक के बाद बाहर निकलते नेता

पूर्व प्रमुख का स्वागत करते भूपेंद्र प्रजापति

दबंगों ने दुकान संचालक की पिटाई कर मरणासन्न छोड़ा

कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के चायल चौकी अंतर्गत पन्ना स्वीट्स के सामने बीती रात लगभग दस बजे लाठी - डंडा एवं कुल्हाड़ी से लैश दबंगों ने एक युवक के ऊपर ताबड़तोड़ हमला कर मरणासन्न कर दिया। युवक को मरा हुआ समझकर दबंग घटनास्थल से फरार हो गए। वहां पर मौजूद लोग तमाशबीन बनकर दबंगों का तांडव देखते रहे। मरणासन्न हालत में पड़े युवक के रिश्तेदार वहां से गुजर रहे थे लोगों की भीड़ देखकर बाइक रोककर देखा तो उक्त युवक उनका रिश्तेदार निकला। वही रिश्तेदार ने पुलिस और परिजनों को घटना की जानकारी देकर नजदीकी हॉस्पिटल में उपचार हेतु एडमिट कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार चरवा थाना क्षेत्र के कटरा गांव निवासी राघवेंद्र कुमार मिश्रा उम्र लगभग 25 वर्ष पुत्र रुद्र देव मिश्रा पिपरी थाना क्षेत्र के चायल कस्बा में चाय नाश्ता की दुकान संचालित करता है। बीती रात दस बजे दुकान बंद करके घर जा रहा था पन्ना स्वीट्स के सामने खुली दुकान पर रुककर कुछ जरूरी सामान लेने लगा उसी वक्त लाठी - डंडा, कुल्हाड़ी एवं अवैध तमंचा से लैश दबंगों ने युवक के ऊपर ताबड़तोड़ हमला कर मरणासन्न कर दिए और फरार हो गए। घटना की जानकारी होने पर परिजन मौके पर पहुंचकर उपचार हेतु युवक को हॉस्पिटल ले गए जहां पर युवक का इलाज चल रहा है।

न्यूज झरोखा

पुलिस चौकी में पीस कमेटी की बैठक हुई आयोजित

कल्यानपुर कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी टेडीमोड शहजादपुर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई है बैठक में त्यौहारों की कुशलता को लेकर उपस्थित लोगों को दिशा निर्देश दिया गया है टेडीमोड पुलिस चौकी के उपनिरीक्षक सुमित आनंद ने नवरात्रि एवं दशहरा के पर्व को भाई चारे के साथ मानने हेतु पीस कमेटी की बैठक मैं उपस्थित लोगों से कहा है क्षेत्र के गण मान्य लोगों को बुला कर अमन चैन,एवं खुशी से त्यौहार मानने की अपील किया इस मौके पर मिलाकर के तमाम ग्राम प्रधान गणमान्य लोग मौजूद रहे पीस कमेटी की बैठक में चौकी इंचार्ज ने क्षेत्र के लोगों से जानकारी एकत्रित कर कहा कि यदि कहीं पर त्यौहार मनाने में किसी प्रकार की दिक्कत आ रही है तो वह खुलकर स्थितियों से पुलिस चौकी को अवगत कराएं और चौकी पुलिस को स्थिति की जानकारी देते हुए सहयोग ले ले चौकी इंचार्ज ने कहा कि किसी भी दशा में मूर्ति का विसर्जन गंगा नदी में नही किया जाएगा उन्होंने मूर्ति स्थापना करने वाले लोगों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि वह मूर्ति का विसर्जन निर्धारित स्थान पर करें।

जहर देकर अधेड़ को मार देने का आरोप

कौशांबी। सराय अकिल थाना क्षेत्र के मल्हीपुर गांव में एक अधेड़ को जहर देकर मारने का आरोप पड़ोसियों पर लगा है मामले की सूचना पुलिस को दी गई है युवक की मौत के बाद घर पर उसके ग्रामीणों की भीड़ लग गई है पूरे परिवार में कोहराम मचा है। जानकारी के मुताबिक सराय अकिल थाना क्षेत्र के मल्हीपुर गांव निवासी राकेश कुमार उम्र 45 वर्ष पुत्र स्वामी लाल पड़ोस के युवक अशोक कुमार के घर पर गया था जहां रात को उसकी तबीयत खराब हो गई और इलाज के दौरान कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई परिजनों का कहना है कि अशोक कुमार ने अधेड़ राकेश कुमार को जहर खिलाकर उसकी हत्या की है परिजन राकेश की मौत पर हत्या का मुकदमा दर्ज कराने की बात कर रहे हैं मृतक के घर पर ग्रामीणों का मजमा लगा है और वह घटनास्थल पर कोहराम मचा हुआ है।

व्यापारी की चोरी हुई गाड़ी चरवा थाना क्षेत्र में मिली, गाड़ी में लदा हुआ माल गायब

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के भरवारी कस्बे से व्यापारी संजय जायसवाल की माल लोडकर घर के बाहर खड़ी गाड़ी शुक्रवार की रात चोरी हो गई थी,जो की चरवा थाना क्षेत्र में मिल गई है,ग्रामीण की सूचना पर पहुंचे व्यापारी और पुलिस गाड़ी को कब्जे में लेकर भरवारी के लिए रवाना हो गए है। कोखराज थाना क्षेत्र के भरवारी कस्बे के गौरा रोड से किराना के थोक व्यापारी संजय जायसवाल की माल लोडकर खड़ी गाड़ी शुक्रवार की रात को चोरी ने गायब कर दिया था,शनिवार की सुबह गाड़ी गायब होने का पता चला तो हड़कंप मच गया,पीड़ित व्यापारी ने कोखराज थाना में लिखित शिकायत की और खुद गाड़ी खोजने में जुट गए।पूरे दिन गाड़ी की खोज चारो तरफ की गई लेकिन गाड़ी नहीं मिल सकी। रविवार की सुबह व्यापारी की गाड़ी में लिखे नंबर पर चरवा थाना क्षेत्र के हैदरगंज गांव से किसी ग्रामीण का फोन आया की आपकी गाड़ी यहा खेतो की तरफ खड़ी है,ग्रामीण की सूचना पर व्यापारी ने पुलिस को सूचना दी,व्यापारी अपने परिवार के लोगो और पुलिस के साथ गांव पहुंचे और गाड़ी को कब्जे में ले लिया,लेकिन गाड़ी से सारा समान गायब हो चुका था।व्यापारी और पुलिस गाड़ी को लेकर भरवारी चले आए हैं मामले में पुलिस कार्यवाही कर रही है।

फसलों के हुए नुकसान का किसानों को मुआवजा दिया जाए : अजय सोनी

कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी ने जिले भर में लगातार कई दिनों से हो रही भारी बारिश के चलते फसलों के हुए भारी नुकसान का स्थलीय जायजा लेकर किसानों को समुचित मुआवजा दिए जाने की मांग की है। पार्टी नेता एवं जिला पंचायत सदस्य अजय सोनी ने रविवार को गांव फत्तेपुर, बारा तफरीक, तुलसीपुर, बंबूपुर आदि का भ्रमण किया और लोगों से भेंट की। भ्रमण के दौरान लोगों से वार्ता करते हुए अजय सोनी ने कहा कि अतिवृष्टि के चलते किसानों की खरीफ की फसलों का भारी नुकसान हुआ है। मक्का, तिलहन, ज्वार, बाजरा आदि कई फसलें पानी में डूब गईं है। साथ ही जिले के कई हिस्सों में भारी बारिश के साथ आए आंधी तूफान ने काफी मात्रा में धान की फसलो को भी जमींदोज कर दिया है जिसके चलते धान की फसल खासकर बासमती धान का काफी नुकसान हुआ है। इसी के साथ अजय सोनी ने कहा कि अतिवृष्टि के चलते फसलों के हुए नुकसान से किसान सदमे में है और परिवार के भरण पोषण को लेकर परेशान है। जिहाजा तहसील स्तर के अधिकारियों की टीम लेखपालों को लेकर जमीनी स्तर पर किसानों के फसली नुकसान का जायजा ले और नुकसान के आकलन के आधार पर त्वरित स्तर पर जिला प्रशासन किसानों को समुचित मुआवजा प्रदान करे। इस मौके पर सुरेश सोनी, मुन्ना पटेल, राकेश यादव, मिथुन गौतम, कौसर अली समेत कई लोग मौजूद रहे।

पिस्टल शूटिंग राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सफलता पर छात्र को किया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

विजिया कौशाम्बी। अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के पदाधिकारियों ने छात्र को अंग वस्त्र देकर माल्यार्पण कर विजया चौराहे पर किया जोरदार स्वागत बिजिया कौशाम्बी पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता में छात्र प्रियांशु तिवारी द्वारा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता पास करने पर अखिल भारतीय ब्राम्हण एकता परिषद कौशाम्बी ने प्रियांशू तिवारी को माल्यार्पण कर अंग वस्त्र भेंट कर उनका जोरदार तरीके से स्वागत सम्मान किया है मूल रूप से कौशांबी जनपद के मंझनपुर तहसील क्षेत्र के सिंघवल का पूरा चम्पाहा बाजार के रहने वाले प्रियांशु तिवारी के स्टेट लेवल पर पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करने पर अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के पदाधिकारियों ने कहा कि प्रियांशु तिवारी ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करने के बाद जहां घर

परिवार का नाम रोशन किया है वहीं उन्होंने समाज और जिले का भी नाम रोशन किया है। प्रियांशु तिवारी के इस सफलता पर अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद ने रविवार को विजया चौराहा में स्वागत अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया स्टेट लेवल के पिस्टल शूटिंग प्रतियोगता में सफलता प्राप्त करने पर प्रियांशु तिवारी को माल्यार्पण कर अंग वस्त्र भेंट कर उनका जोरदार तरीके से स्वागत किया गया है इस मौके पर वक्ताओं ने कहा अब आगे यह प्री नेशनल और ईश्वर ने चाहा तो एक दिन नेशनल व इंटरनेशनल में जीतकर कौशाम्बी का नाम रोशन करेगे प्रियांशु तिवारी के स्वागत सम्मान समारोह कार्यक्रम में अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के जिला प्रमुख अजय मिश्रा अमित त्रिपाठी अंकित त्रिपाठी हरीश द्विवेदी योगेंद्र त्रिपाठी राहुल मिश्र अशोक मिश्र आशीष त्रिपाठी अशोक त्रिपाठी शशिकांत त्रिपाठी सूर्यकांत तिवारी सहित तमाम पदाधिकारी कार्यकर्ता और इलाके के सम्मानित लोग मौजूद रहे।

तमंचा चापड़ के साथ पशु वध करने जा रहे दो लोग गिरफ्तार

टेढ़ी मोड़,कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के टेडी मोड़ शहजादपुर पुलिस चौकी प्रभारी ने गो वध करने जा रहे दो अभियुक्तों को तमंचा चापड़ के साथ गिरफ्तार किया है पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने गो वंश को मुक्त कराया है पुलिस ने बताया कि कोखराज थाना क्षेत्र के झंडापुर गांव निवासी मोहम्मद अफजल पुत्र मुख्तार अली अपने साथी बसीम उल्लाह पुत्र अजीजुल्लाह निवासी नानमाई एक गाय को वध करने के लिए ले जा रहे थे सूचना मिलने पर दोनों अभियुक्तों को छह भैयन मजार के पास से पुलिस ने गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से एक गाय को मुक्त कराया है आरोपियों के कब्जे से तीन चापड़ और एक तमंचा पुलिस ने बरामद किया है पुलिस ने धारा 3/5 क/ख/8 उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम व धारा- 4 /25 आयुध अधिनियम व धारा-3/25 आयुध अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है।

न्यायालय के आदेश पर मनु ट्रैक्टर एजेंसी के मालिक पर दर्ज हुआ मुकदमा

कौशांबी। महिला को ट्रैक्टर देकर और बाद में वापस लेने के आरोप में मनु ट्रैक्टर एजेंसी के मालिक रामप्रकाश सिंह पर अदालत के आदेश पर मुकदमा दर्ज हो गया है हालांकि इस मुकदमे में भी पुलिस ने खेल किया है महिला ने आरोप लगाते हुए कहा कि मनु ट्रैक्टर एजेंसी प्रबंधक द्वारा मेरा ट्रैक्टर हड़प कर चोरी से गायब कर दिया गया है जिसका अभी तक परिवहन विभाग में रजिस्ट्रेशन भी नहीं हुआ है जिसकी जानकारी लेने गई महिला पर एजेंसी मालिक द्वारा अभद्र व्यवहार किया गया था जिसकी शिकायत महिला ने पुलिस अधीक्षक कौशांबी से मार्च के महीने मे कर न्याय की मांग की थी लेकिन पुलिस से महिला को न्याय नहीं मिलने पर पीड़ित महिला ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। आपको बता दें कि कुंती देवी पत्नी रामबली पुत्री रामलखन निवासी बसुहार थाना सरायअकिल ने शिकायती पत्र के माध्यम से पुलिस से लेकर न्यायालय को बताया था कि मनु ट्रैक्टर एजेन्सी मंझनपुर के प्रोपराइटर रामप्रकाश सिंह से एक न्यू हालैण्ड 3032-35 एच०पी० जिसका इंजन नं०-ी31281 व चेचिस नं0-ल्लँल्ल 30320ेॉ 356228 का ट्रैक्टर 19.07.2016 को तय शर्तों के अनुसार नगद रूपया देकर महिला को ट्रैक्टर प्राप्त कराया था जिसका फाइनेन्स इन्डोसेन्ड बैंक के माध्यम से किया गयाा है बैंक प्रक्रियाा पूरी होने के बाद फाइनेन्स होकर शेष धनराशि प्राप्त हुयी थी जो मनु ट्रैक्टर एजेन्सी को महिला द्वारा एजेंसी के बैंक खाते में दे दिया गया था।जिसके कुछ दिन बाद मनु ट्रैक्टर एजेन्सी के प्रोपराइटर रामप्रकाश सिंह द्वारा पीड़िता कुन्ती देवी से यह कह कर टैक्टर की चाभी मगा लिया था कि इस ट्रैक्टर का सर्विस कराना है। जिसके बाद एजेन्सी मालिक द्वारा ट्रैक्टर को गायब कर दिया गया जिसके बाद से महिला कई बार मनु ट्रैक्टर के प्रोपराइटर रामप्रकाश सिंह के पास अपना ट्रैक्टर लेने के लिए जाती रही लेकिन रामप्रकाश सिंह द्वारा तरह तरह के बहाने बना कर महिला समझा कर ट्रैक्टर ना दे कर भगा दिया करता था। जब एक दिन महिला को बैंक की नोटिस प्राप्त हुई तो महिला ने दिनाँक 28.03.2022 को बैक की नोटिस लेकर अपने ट्रैक्टर की जानकारी लेने के लिए मनु ट्रैक्टर एजेन्सी रामप्रकाश के पास गयी तो एजेंसी प्रबंधक ने पीड़िता कुन्ती देवी को जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली गलौज दे कर भगा दिया और दोबारा आने पर जान से मार देने की धमकी दिया था जिसकी शिकायत पीड़ित महिला ने कौशांबी पुलिस कप्तान से करते हुए न्याय की गुहार लगाई थी लेकिन एजेंसी प्रबंधक एक रसूखदार व्यक्ति होने के कारण पीड़िता को पुलिस से न्याय नहीं मिला तो पीड़ित महिला ने न्यायालय का दरवाजा खटखटा कर न्याय की मांग की जिसके बाद न्यायालय ने पीड़िता के दर्द को समझते हुए एजेंसी प्रबंधक के ऊपर मुकदमा लिखने का आदेश किया है लेकिन पुलिस ने न्यायालय के आदेश व महिला द्वारा बताए गए प्रार्थना पत्र के अनुसार पुलिस ने संपूर्ण धाराओ मे मुकदमा नहीं लिखा है। जिससे पुलिस की कार्यशैली संदेह के घेरे में दिख रही है।

संपादकीय

ब्रिटेन में हिंदू आस्थाओं पर हमले का विश्लेषण

ब्रिटेन में दो समुदायों में फैले तनाव की चर्चा दुनियाभर में हो रही है। रानी एलिजाबेथ के अंतिम संस्कार की तैयारी के समय लेस्टर में मंदिर में तोड़फोड़ की भारत ने कड़ी निंदा की है और शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ब्रिटेन के लेस्टर शहर में हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों में झड़पों के बाद तनाव की स्थिति है। दो दिन पहले शहर के पूर्वी इलाके में दोनों समुदायों के टकराव के बाद माहौल ज्यादा बिगड़ गया था। इसकी शुरूआत भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट मैच के बाद शुरू हुई। 28 अगस्त को दुबई में भारत के खिलाफ खेले गए एशिया कप मैच में भारत द्वारा पाकिस्तान की हार के बाद एक विशेष समुदाय को यह सहन नहीं हुआ और एक कुत्सित मानसिकता से योजनाबद्ध तरीके से उग्रवादियों की भीड़ ने एक शिव मंदिर पर हमला करते हुए तोड़फोड़ की और मंदिर के ऊपर लगे भगवा झंडे को भी अपमानजनक ढंग से नीचे गिरा दिया था। इस प्रकार मुस्लिम समुदाय द्वारा मंदिर पर हमला कर हिंदुओं की अस्मिता को ललकारा गया।

उल्लेखनीय है कि लंदन से बाहर हिंदुओं की सबसे बड़ी संख्या लेस्टर शहर में ही है। साल 2011 में हुई जनगणना में लेस्टर की कुल जनसंख्या का 16 प्रतिशत हिंदू समुदाय है। मुसलमानों की सबसे ज्यादा संख्या वाला शहर बर्मिंघम है। जबकि लेस्टर में मुसलमानों की आबादी 69,000 है और स्थानीय व्यवसायों में अन्य देशों की भांति यहां भी इस समुदाय की अच्छी भागीदारी है। ब्रिटेन में इसाई समुदाय के बाद मुसलमानों की संख्या सबसे ज्यादा है। 2017 के सरकारी आंकड़ों के मुताबिक हिंदुओं की संख्या 10 लाख 22 हजार के लगभग थी जबकि मुसलमानों की आबादी 33 लाख 73 हजार। यूरोप में विशेषरूप से इंग्लैंड में मुस्लिम लोग योजनाबद्ध तरीके से बसते जा रहे हैं और जहां इनकी संख्या बढ़ने लगती हैं वहां आतंक भी बढ़ने लगता है। वहां रहने वाला मूल निवासियों का समुदाय व अन्य समुदाय भी असुरक्षा का अनुभव करने लगता है। पूरा ब्रिटेन जब महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के अंतिम संस्कार की तैयारी में लगा था तब लेस्टर में तनाव सुलग रहा था। परिणामस्वरूप करीब 200 लोग शहर के ग्रीन लेन इलाके में सड़क पर मार्च करने के लिए उतरे, जिसके बाद हिंसा भड़की, मंदिर पर हमला हुआ, गाड़ियां तोड़ी गईं और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस के अनुसार शांति की अपील करने के साथ ही पुलिस उपद्रवियों के विरुद्ध सख्त कदम उठा रही है। पुलिस को इस अघोषित प्रदर्शन की ना जानकारी थी, ना ही उससे निपटने के लिए पर्याप्त बल मौजूद था, ना ही योजना थी जिस कारण कुछ पुलिसकर्मी भी इस हिंसा में बीच-बचाव करते हुए घायल हुए। भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश को धता बताते हुए रविवार को 100 लोगों की भीड़ प्रदर्शन करने के लिए एकजुट हुई, प्रदर्शन हिंसात्मक होने लगा तो पुलिस ने 18 लोगों को गिरफ्तार किया। नाजुक स्थिति को देखते हुए पुलिसबल की टुकड़ी मार्च कर रही है। द गार्डियन अखबार में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक हिंसा भड़काने के लिए लंदन के दूसरे इलाकों से लोगों के लेस्टर पहुंचने की सूचना है। सोशल नेटवर्किंग में भड़काऊ मैसेज भेजकर भीड़ को इकट्ठा किया गया।

शहर में डर के माहौल और हिंसा को रोकने की कोशिशों के अन्तर्गत लेस्टर में इस्कॉन मंदिर के अध्यक्ष प्रद्युम्न दास ने एक मस्जिद के सामने बयान पढ़ते हुए कहा कि "हम दो धर्मों के लोग आधी शताब्दी से इस सुंदर शहर में रह रहे हैं। हम एक वक्त पर यहां आए, एक जैसी चुनौतियां झेलीं, जातीय भेद-भाव का सामना किया।

जीवनदायिनी प्रकृति की रक्षा बेहद आवश्यक

प्रीतम

पर्यावरणीय स्वास्थ्य मानवीय शरीर पर होने वाले प्रभाव को दशार्ता है। पर्यावरण स्वास्थ्य का संतुलन बिगाड़नेवाले मुद्दों में पर्यावरणीय स्रोतों व घातक घटकों की पहचान एवं मूल्यांकन करके हवा, पानी, मिट्टी, खाद्य और अन्य में समाहित खतरनाक भौतिक, रासायनिक और जैविक घटक, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, बीमारियां बढ़ानेवाले कीटाणु, स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच की कमी, खस्ताहाल आधारभूत सुविधायें शामिल हैं। धरती पर प्रत्येक मनुष्य हेतु शुद्ध हवा-पानी, संतुलित जलवायु, आवश्यक स्वच्छता, यांत्रिक संसाधनों व रसायनों का सिमित उपयोग, ओजोन सुरक्षा, सुरक्षित कार्यस्थल व आवास, स्वास्थकर कृषि पद्धतियां, एक संरक्षित प्रकृति यह सभी अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत आवश्यक हैं। विश्वभर में मानव स्वास्थ्य पर लगातार बढ़ते पर्यावरणीय दुष्प्रभावों बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 26 सितम्बर को "विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस" मनाया जाता है। इस विशेष दिवस पर इस साल की थीम "सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन के लिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना" यह है। यह ह्लपर्यावरणीय स्वास्थ्यह्व लोगों की सुरक्षा और समुदायों को स्वस्थ वातावरण प्रदान करने के लिए हवा, पानी, मिट्टी और भोजन में रासायनिक और अन्य पर्यावरणीय जोखिम को कम करने के लिए नीतियों और कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए काम करता है।

कुल वैश्विक मौतों के 4 में से लगभग 1, पर्यावरणीय जोखिम कारक, जैसे वायु, जल और मृदा प्रदूषण, रासायनिक जोखिम, जलवायु परिवर्तन और पराबैंगनी विकिरण, 100 से अधिक बीमारियों और चोटों में योगदान करते हैं, जो असमय मौत का कारण है। स्ट्रोक से सालाना 2.5 मिलियन मौतें, इस्केमिक हृदय रोग से सालाना 2.3 मिलियन मौतें, अनजाने में लगी चोटें (जैसे सड़क यातायात से होने वाली मौतें) - सालाना 1.7 मिलियन मौतें, कैंसर से सालाना 1.7 मिलियन मौतें, पुरानी सांस की बीमारियों से सालाना 1.4 मिलियन मौतें, अतिसार संबंधी रोग से सालाना 846,000 मौतें, श्वसन संक्रमण से सालाना 567 000 मौतें, मलेरिया से सालाना 259 000 मौतें, नवजात की सालाना 270,000 मौतें होती है।

जलवायु परिवर्तन द्वारा 2030 से 2050 के बीच, कुपोषण, मलेरिया, डायरिया और गर्मी के वजह से, प्रति वर्ष लगभग 250,000 अतिरिक्त मौतों की संभावना है। पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक (ईपीआई) 2022 अनुसार, 180 देशों में भारत 180 वें स्थान पर है।

राजू ने कॉमेडी को फूहड़ता से बचाए रखा

डॉ. सुरभि सहाय

जीवन में हास्य का पुट जरूरी है। इसी कमी को दूर करके हास्य के जरिए निराश जीवन में उत्साह का संचार करने वाले कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव ने जिस तरह हास्य को जिया है वह उनकी विलक्षण प्रतिभा का प्रतीक रहा है। जीवन हास्य से भरपूर है बस इसे उसी अंदाज में जीने की जरूरत है- इस बात को महसूस कराने वाले राजू श्रीवास्तव का निधन निश्चित रूप से हास्य जगत की एक अपूरणीय क्षति है। आम आदमी को गुदगुदाना और जी भर कर हंसाना यह गुण, यह प्रतिभा बेहद दुर्लभ होती है। राजू ने अपने तनावों, दुःख-दर्द और संघर्षों को नेपथ्य में छिपाए रखा और लोगों को हंसाते रहे। राजू ने एक अविस्मरणीय किरदार गढ़ा-गजोधर भैया। वह हिंदुस्तान के आम परिवार, औसत व्यक्ति का प्रतीक बन गया। बल्कि राजू और गजोधर भैया आपस में पर्याय साबित हुए। गजोधर भैया अपनी जिंदगी के मंच से उतर गए। सामने लोग बैठे रहे और काला पर्दा झूल गया। राजू श्रीवास्तव की बीमारी और अस्पताल में भर्ती होने की खबरें बनते-बनाते आखिरी खबर आ गई। बीते बुधवार सुबह 10 बजे के करीब दिल्ली एम्स में उनका निधन हो गया। उमर 58 साल थी। दिल्ली में ही 10 अगस्त को एक्सरसाइज करते उन्हें हार्ट अटैक आया था। उसके बाद से ही एम्स में भर्ती थे। इलाज में पता चला था कि दिल के एक हिस्से में सौ फीसदी ब्लॉकेज है। राजू श्रीवास्तव का असली नाम सत्य प्रकाश श्रीवास्तव है। उनका जन्म 25 दिसंबर 1963 को कानपुर के नयापुरवा में हुआ था। उनके पिता रमेश चंद्र श्रीवास्तव, को बलाई काका के नाम से भी जाना जाता था. वहीं उनकी मां का नाम सरस्वती श्रीवास्तव है। बचपन से ही राजू श्रीवास्तव एक अच्छे मिमिक थे, इस हुनर के चलते वे बचपन से ही कॉमेडियन बनना चाहते थे। शुरू में तो उन्होंने कई फिल्मो में छोटी-छोटी भूमिकाएं निभाई लेकिन उन्हें अपनी पहचान कॉमेडी शो में मिली। उन्होंने 1993 में हास्य की दुनिया में कदम रखा। 1980 में वे कानपुर से मुंबई के लिए भागे थे। अपने घर की दीवार फांदकर पड़ोसी के घर में कूदे और वहां से सीधे मुंबई भाग गए। उनके पड़ोसियों ने बताया कि चिल्लाते हुए गए थे कि अब नाम कमाकर ही लौटूंगा। बीते 42 दिनों में कई बार बेहतर होती सेहत की खबरें आती रहीं। लेकिन आखिरकार आखिरी खबर आई राजू चला गया, ये कहते हुए कि जिंदगी में ऐसा काम करो कि यमराज भी आएं तो कहें कि भैंसे पर आप बैठिए, मैं पैदल चलूंगा.. आप नेक आदमी हैं। ये राजू की ही कही है। राजू ने 2014 में भाजपा जॉइन की थी। वे काम के सिलसिले में दिल्ली पार्टी के कुछ बड़े नेताओं से मिलने के लिए दिल्ली पहुंचे थे। वह दिल्ली के साउथ एक्स के कल्ट जिम में 10 अगस्त की सुबह वर्क आउट कर रहे थे। इस दौरान ट्रेडमिल पर रनिंग करते समय उन्हें चेस्ट में पेन हुआ और वे नीचे गिर गए थे। इसके बाद उन्हें फौरन अस्पताल में भर्ती कराया गया। राजू हमेशा अपनी फिटनेस पर ध्यान रखते थे और वह फिट और फाइन थे। 31 जुलाई तक वो लगातार शोज कर रहे थे, उनके आगे कई शहरों में शोज भी लाइन अप थे। कॉमेडी क्षेत्र में अपना नाम बनाने वाले राजू श्रीवास्तव ने अपने करियर की शुरूआत फिल्मों में एक छोटी-सी भूमिका निभाते हुए की थी। जहां उन्होंने तेजाब, मैंने प्यार किया, बाजीगर फिल्म में छोटी-सी भूमिका अदा की। इसके बाद उन्होंने साल 2001 में आमदनी अठनी खर्चा रुपया में बाबा चिन चिन चू की भूमिका निभाई। राजू श्रीवास्तव ने अपने करियर में कई फिल्मों में काम किया। उन्होंने मैं प्रेम की दीवानी हूं (2003), बॉम्बे टू गोवा (2007), टॉयलेटरू एक प्रेम कथा (2017) जैसी फिल्मों में छोटे से रोल करते हुए दिखा गया। राजू श्रीवास्तव ने मुंबई की लोकल ट्रेन के पंखे, हैंडल, गिलास से लेकर भोजन, गाय और मछली आदि तक अनगिनत किरदारों से संवाद किया और अपनी कॉमेडी को बुना। उनकी मौलिकता और सूक्ष्मता एक व्यंग्य रचनाकार की थी, जिसने उन्हें कॉमेडी का सदाबहार चैंपियन बना दिया। ऐसा कलाकार दिवंगत तो हो सकता है, उसका पार्थिव देहावसान भी हो सकता है, राजू के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है, लेकिन वह कभी समाप्त नहीं हो सकता। वह अमर है, हमेशा प्रासंगिक और जीवंत बना रहेगा। राजू श्रीवास्तव की कॉमेडी के किस्से, चुटकुले और मजाक उन्हें हमेशा ही हमारे बीच मौजूद रखेंगे। सदी के महानायक अमिताभ बच्चन हमेशा राजू की प्रेरणा बने रहे, बल्कि रोटी के बंदोबस्त का आधार भी बने। वह शुरूआती दौर ऐसा था कि राजू ने खुद में ही अमिताभ के अवतार की खुशफहमी पाल ली थी।

वह बेहद सामान्य परिवार से थे, लिहाजा मुंबई की मायानगरी और कॉमेडी की दुनिया के एक स्थापित चेहरा बनने के लिए राजू ने भी अनथक संघर्ष किया था। मात्र 50 रुपए के लिए अमिताभ बच्चन की मिमिक्री की थी। उनके संवाद बोला करते थे। उन्होंने लालू यादव से लेकर बाबा रामदेव तक की नकल भी की। फर्जी बाबाओं क कथावाचन और गुंडई की भी कलई खोली कि आजकल यह एक मालदार धंधा क्यों और कैसे बन गया है।

> **प्रधानमंत्री मोदी का भी कहना है कि राजू ने हंसी और सकारात्मकता के साथ हमारे जीवन को रोशन किया था। वह हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहेंगे, लिहाजा हम राजू श्रीवास्तव को अलविदा कैसे कह सकते हैं। राजू श्रीवास्तव की पत्नी ने उनके निधन पर गहरा शोक मनाया तथा अति भावुक होकर उन्हें अंतिम विदाई दी। कई अन्य कलाकारों ने कहा कि वह हास्य के क्षेत्र के अमिताभ बच्चन थे। कई कलाकारों ने यह भी कहा कि उन्हें राजू श्रीवास्तव से बहुत कुछ सीखने को मिला**

दरअसल राजू श्रीवास्तव कॉमेडी के शोधार्थी थे। उनकी यह प्रतिभा छात्र-जीवन में ही फूट पड़ी थी, जब वह सुपरहिट फिल्म शोले के किरदारों की नकल करते थे और इस तरह लड़कियों को आकर्षित करना चाहते थे। राजू ने कॉमेडी के व्यापक आयामों को खोजा और हंसी के अध्याय पेश किए। उनके समकालीन कॉमेडियन राजपाल यादव तो उन्हें मनोरंजन का वैज्ञानिक मानते थे। राजू ने कॉमेडी के नाम पर कभी कचरा दर्शकों के सामने नहीं परोसा। उन्होंने आम आदमी और आम जीवन से जुड़े मुद्दों और मसलों को अपनी कॉमेडी में उठाने की कोशिश की। हमारे एक पत्रकार मित्र कानपुर के ही थे। उनका अक्सर कहना था कि कानपुर की चाय और पान की दुकानों पर ऐसी ही ठिठोलियां, किस्सागोई और ऐसे ही मजाक एक आम चलन हैं। राजू ने कॉमेडी की विषय-वस्तु उस माहौल से भी ग्रहण की। उनकी कला का बहुआयामी पक्ष यह था कि उन्होंने 16 फिल्मों में भी काम किया। धारावाहिकों में भी अभिनय किया और कॉमेडी मंच के तो वह सिकंदर बने रहे। यह भी गौरतलब है कि राजू ने कॉमेडी को फूहड़ता से बचाए रखा। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में भी भूमिका निभाने की कोशिशें कीं, लेकिन भाजपा के साथ उनका मन रमा। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें स्वच्छता अभियान से जोड़ा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें उप्र फिल्म विकास परिषद के अध्यक्ष पद से नवाजा। दरअसल उनके व्यक्तित्व में एक योद्धा भी छिपा था, लिहाजा 10 अगस्त को जिम में दिल का दौरा पडने के बाद दिल्ली एम्स अस्पताल में वह 42 दिन तक वेंटिलेटर पर रहे और जीवन-मौत से संघर्ष करते रहे। बीच-बीच में कुछ सुखद समाचार भी मिलते थे, लेकिन अंतिम सत्य तो नियति ने तय कर रखा था, लिहाजा राजू अचानक सो गए। शायद बहुत थक गए होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी का भी कहना है कि राजू ने हंसी और सकारात्मकता के साथ हमारे जीवन को रोशन किया था। वह हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहेंगे, लिहाजा हम राजू श्रीवास्तव को अलविदा कैसे कह सकते हैं। राजू श्रीवास्तव की पत्नी ने उनके निधन पर गहरा शोक मनाया तथा अति भावुक होकर उन्हें अंतिम विदाई दी। कई अन्य कलाकारों ने कहा कि वह हास्य के क्षेत्र के अमिताभ बच्चन थे। कई कलाकारों ने यह भी कहा कि उन्हें राजू श्रीवास्तव से बहुत कुछ सीखने को मिला। राजू हमेशा हम लोगों के दिलों में जिंदा रहेंगे।

मजहबी कट्टरता, आतंक और अराजकता का प्रतीक पीएफआई

प्रेम शर्मा

एनआईए की छापामारी अचानक नही हुई। पिछले लम्बे अरसे से पीएफआई की मजहबी कट्टरता, आतंकी ट्रेनिग, अराजक गतिविधियों और देश के 23 राज्यों में प्रतिबंधित संगठन सिमी के सदस्यों को मिलाकर इसका विस्तार पर उच्चस्तीय मंथन के बाद इतनी बड़ी आतंकी कनेक्शन के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक की गई। जांच एजेंसियों ने पहले करीब 11 राज्यों में उसके 106 ठिकानों पर छापेमारी की है और 100 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके बाद छिटपुट इनपुट के आधार पर लगभग 50 और लोगों को जगह जगह से गिरफ्तार किया जा चुका है। यह कार्रवाई जारी रहेगी। अभी तक जॉच एजेसिंया पीएफआई को नागरिकता कानून के खिलाफ हुए हिंसक प्रदर्शन, जबरन धर्मांतरण, मुस्लिम युवकों में कट्टरता फैलाने, धनशोधन और प्रतिबंधित संगठनों से संबंध बनाए रखने के आधार पर कार्रवाई कर रही है। जहॉ तक खाड़ी देशो से फंडिग की बॉत की जाए तो इस संगठन को 2013 से 2021 तक 120 करोड़ रुपए की फंडिग की गई। यही नही आज से दस वर्ष पूर्व ही इस संगठन को लेकर तत्कालीन केरल की कांग्रेस सरकार मुख्यमंत्री ओम्मन चांडी ने पीएफआई को सिमी प्रतिबिंब बताया था। इसके दो वर्ष बाद न्यायालय को दिए शपथ पत्र में कहा गया था कि पीएफआई का छिपा एजेण्डा इस्लामीकरण है। यानि स्पष्ट है कि मजहब के आधार पर पीएफआई देश में मजहबी कट्टरता, आतंक और अराजकता को बढ़ावा दे रही है। अब जबकि एनएनआई ने एक बड़ा कदम उठाया लिया है तो राज्य सरकारों को अपनी इंटेलीजेंस एजेसियों को निर्देश देने चाहिए कि इन संगठन के सदस्यों को स्थानीय स्तर पर मदद करने वालों की भूमिका कही संदिग्ध तो नही है ? पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पहले भी अपने विचारों की वजह से शक के दायरे में रहा है। पीएफआइ पर जैसी अराजक और आतंकी गतिविधियों में लिप्त होने के गंभीर आरोप लगे हैं उन्हें देखते हुए उसे प्रतिबंधित करने पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए क्योंकि वह लोकतांत्रिक तौर-तरीकों का सहारा लेकर लोकतंत्र को ही नष्ट करने का काम कर रहा है। अपनी संदिग्ध गतिविधियों के कारण एक लंबे समय से विभिन्न एजेंसियों के निशाने पर चल रहे संगठन पापुलर फ्रंट आफ इंडिया यानी पीएफआइ के ठिकानों पर देशव्यापी छापों के बाद यह तथ्य सामने आने पर हैरानी नहीं कि उसे विभिन्न देशों से अनुचित तरीके से जो चंदा मिल रहा था, उसका गलत इस्तेमाल किया जा रहा था। चिंता की बात केवल यह नहीं कि पीएफआइ विदेशी चंदे को स्थानीय चंदे के रूप में दर्शा रहा था, बल्कि यह भी है कि उसके तमाम सदस्य देशविरोधी गतिविधियों में शामिल दिख रहे थे। इसी कारण पिछले दिनों उसके सौ से अधिक सदस्यों को गिरफ्तार किया गया।यह संगठन कानून के शासन के साथ किस तरह शांति व्यवस्था के लिए खतरा बन चुका है, इसका प्रमाण अपने यहां पड़े छापों के विरोध में केरल में बुलाए गए बंद के दौरान की गई उसके लोगों की हिंसा से मिलता है। इस हिंसा से एक तरह स्वतः प्रमाणित हो गया कि इस संगठन के इरादे नेक नहीं। इस संगठन पर आतंकी गतिविधियों में लिप्त होने के आरोप न जाने कब से लग रहे हैं। 2007 से लेकर अब तक इस संगठन की हर गतिविधियों का लेखा जोखा ही इस संगठन पर राष्ट्रीय प्रतिबंध का मुख्य आधार बनेगा। पीएफआई के संदिग्ध गतिविधियों के कारण कई राज्य उस पर पाबंदी लगाने की संस्तुति कर चुके हैं। पीएफआइ अपना उद्देश्य कुछ भी बताए, यह किसी से छिपा नहीं कि उसकी गतिविधियां उसे कठघरे में खड़ा करती हैं। एक तथ्य यह भी है कि खुद केरल सरकार उच्च न्यायालय के समक्ष यह कह चुकी है कि पीएफआइ प्रतिबंधित आतंकी संगठन सिमी का बदला हुआ रूप है।पीएफआइ पर जैसी अराजक और आतंकी गतिविधियों में लिप्त होने के गंभीर आरोप लगे हैं, उन्हें देखते हुए उसे प्रतिबंधित करने पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए, क्योंकि वह लोकतांत्रिक तौर-तरीकों का सहारा लेकर लोकतंत्र को ही नष्ट करने का काम कर रहा है। पीएफआइ अपनी छात्र शाखा और राजनीतिक शाखा बनाकर जिस तरह देश के अधिकांश राज्यों में सक्रिय हो गया है, वह शुभ संकेत नहीं। इसलिए और नहीं, क्योंकि विभिन्न राज्यों में छोटे दल उसकी राजनीतिक शाखा के सहायक बन गए हैं। वास्तव में इसी कारण कई संगठन उसके समर्थन में बोल रहे हैं।पीएफआइ की हरकतें यही बताती हैं कि वह एक ऐसी विष बेल है, जिसकी जड़ें काटने में देर नहीं की जानी चाहिए। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पीएफआइ का हाथ न केवल नागरिकता संशोधन कानून विरोधी देशव्यापी हिंसा के साथ हिजाब के खिलाफ हुए अराजक प्रदर्शनों में दिखा, बल्कि अन्य ऐसी घटनाओं में भी, जिससे इस नतीजे पर पहुंचने के अलावा और कोई उपाय नहीं कि वह आतंकी संगठनों सरीखी विषाक्त विचारधारा से लैस है। सबकी निगाह जांच एजेंसियों की ओर है, ताकि पीएफआई की गतिविधियों के बारे में खुलासा हो सके। एनआईए को पूरी मुस्तैदी से किसी भी खतरे को टालने की कोशिश करनी चाहिए। दक्षिण भारत में पीएफआई की गतिविधियों को ज्यादा संदिग्ध माना जा रहा है, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु से सर्वाधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। संगठन से जुड़े बडे.नेताओं को गिरफ्तार करके जांच हो रही है। बीते दिनों भी एनआईए ने आंध्र प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की थी। आरोप यह है कि सिमी पर प्रतिबंध के बाद अस्तित्व में आया यह संगठन हिंसा भड़काने की साजिश करता है और गैर-कानूनी गतिविधियों में लिप्त रहता है। नुपूर शर्मा का प्रकरण हो या हिजाब का मामला, इस संगठन का रुख बहुसंख्यक वर्ग और सरकार के लिए आक्रामक ही लगता है। ज्ञात हो कि कर्नाटक की सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में बताया है कि इस संगठन की भूमिका हिजाब मामले में भड़काऊ रही है। इससे भी एनआईए को छापेमारी की कार्रवाई को बल मिला है। यह संगठन दावा करता है कि वह समाज के वंचित वर्गों के सशक्तीकरण के लिए काम करता है, लेकिन उसके कार्यकताओं पर पिछले लगभग डेढ़ दशक से सवाल उठते रहे हैं। केरल, कर्नाटक में तो विशेष रूप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और पीएफआई के कार्यकर्ता सीधे मुकाबले में रहे हैं। संघ के कार्यकताओं पर हिंसक हमले से भी इस संगठन के तार जुड़े बताए जाते हैं। अब मामला एनआईए के पाले में है, उसे सावधानी और संवेदना से आगे की कार्रवाई को अंजाम देना चाहिए। यदि पीएफआई के तार वाकई आतंकवाद से जुड़े हैं, तो उसे काटने में ही सबकी भलाई है, लेकिन यह ध्यान रखना होगा कि किसी निर्दोष को सलाखों को पीछे न रहना पड़े।

नवरात्रि में होता है नयी शक्ति का संचार

रमेश सर्राफ धमोरा

कहा जाता है कि शारदीय नवरात्रि धर्म की अधर्म पर और सत्य की असत्य पर जीत का प्रतीक हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता हैं। नवरात्रि पर्व के नौ दिनों के दौरान आदिशक्ति जगदम्बा के नौ विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। ये नौ दिन वर्ष के सर्वाधिक पवित्र दिवस माने गए हैं। इन नो दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं -शैलपुत्री, ब्रह्माचारिणी, चन्द्रघन्टा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिध्दिदात्री। नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती हैं। यह हमें बताती है की इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ती और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है की पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने कोने में श्रध्दा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्ही में से एक है नवरात्रि। वसन्त की शुरूआत और शरद ऋतु की शुरूआत, जलवायु और सूरज के प्रभावों का महत्वपूर्ण संगम माना जाता है। इन दो समय मां दुर्गा की पूजा के लिए पवित्र अवसर माने जाते है। त्योहार की तिथियां चन्द्र कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती हैं। यह पूजा वैदिक युग से पहले प्रागैतिहासिक काल से है। नवरात्रि के पहले तीन दिन देवी दुर्गा की पूजा करने के लिए समर्पित किए गए हैं। यह पूजा उनकी ऊर्जा और शक्ति की की जाती है। प्रत्येक दिन दुर्गा के एक अलग रूप को समर्पित है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति- देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है। नवरात्रि एक हिंदू पर्व है। नवरात्रि वर्ष में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ़, अश्विन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटानेवाली होता है। नवरात्रि एक महत्वपूर्ण प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। त्योहार के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिपक्वता के चरण में पहुंच गयी है, उसकि पूजा की जाती है। नवरात्रि के चैथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी- समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवे दिन पर एक यज्ञ किया जाता है। नौवा दिन नवरात्रि समारोह का अंतिम दिन है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन उन नौ जवान लड़कियों की पूजा होती है जो अभी तक यौवन की अवस्था तक नहीं पहुंची है। इन नौ लड़कियों को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है। लड़कियों का सम्मान तथा स्वागत करने के लिए उनके पैर धोए जाते हैं। पूजा के अंत में लड़कियों को उपहार के रूप में नए कपड़े, वस्तुयें, फल प्रदान किए जाते हैं।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशरू अलग-अलग पूजा की जाती है।

मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है।

शादियों का फंडा

डॉ. सुरेश

जो शादियाँ रात में होती हैं, उसका गजब फंडा होता है। सिर्फ कस्टम अधिकारी जागते हैं, बाकी सब ऊँघते रहते हैं। यहाँ कस्टम अधिकारी कोई और नहीं वर-वधू, उनके माता-पिता, थोड़े बहुत परिवार के सदस्य होते हैं। पंडित जी का क्या है उनके लिए तो मंत्र सारे रटे रटाए हुए हैं। वे ऊँघते हुए भी पढ़ने में सिद्धहस्त होते हैं। किंतु सबसे जरूरी वर-वधू और उनके बाद माता-पिता का जागे रहना बहुत जरूरी है। पता चला आन की जगह कान बैठ गया तो जीवन भर भला उसे कौन ढोएगा या ढोएगी। हाँ जहाँ तक माता-पिता का सवाल है तो वे तो लेन-देन के सामानों पर ही नजर गड़ाए रखते हैं। मजाल किसी की एक भी चीज इधर से उधर हो जाए। अच्छा हुआ ये शादियाँ हवाई अड्डा, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड पर नहीं होती। यदि ऐसा होता तो वे इतना सोना, ड्रग्स और चोरी का माल पकड़ लेते कि हर दिन ड्यूटी करने वाले कस्टम और पुलिस अधिकारी उनके सामने शर्म से पानी-पानी हो जाते। हाँ यह अलग बात है कि कैमरामेन और वीडियोग्राफर भी जागते हैं, लेकिन पेट के लिए। उनसे सबसे बड़ी शिकायत यह रहती है कि वे सब कुछ खींचते और शूट करते हैं, बस काम की चीज छोड़कर। अब शादियों का ट्रेंड बदल गया है। वेदी के ऊपर मंडप के नीचे पंडित जी का मंत्रोच्चारण से देवताओं का आह्वान हो न हो नागिन डैंस करने वालों राक्षसों को आह्वान जरूरी है। जब तक वे आए हुए लोगों में दो-चार लोगों को अपनी फूहड़ता भरे डांस से डंस न लेंगे।

पितृ विसर्जनी अमावस्या में श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

चित्रकूट। भगवान रात की तपोभूमि तीर्थक्षेत्र में पितृविसर्जनी अमावस्या मेले में लाखों श्रद्धालुओं ने रामघाट में मन्दाकिनी में स्नान कर पितरों का पिंडदान किया। भगवान कामदनाथ के दर्शन कर परिक्रमा लगाई। एक दिन पहले से ही धर्मनगरी में श्रद्धालुओं का जमावडा लगने से यूपी-एमपी प्रशासन ने अपने-अपने क्षेत्र में सुरक्षा व भीड को नियंत्रित करने को चैकस इंतजाम किये थे।

रविवार को पितृविसर्जनी अमावस्या में दूर-दराज से लाखों श्रद्धालु तीर्थक्षेत्र आये। लोगों ने अपने पितरों का गयाधाम में पिंडदान के बाद रविवार को सवेरे से रामघाट मन्दाकिनी स्नान कर पितरों का तर्पण किया। लोगों ने मन्दाकिनी में

डुबकी लगाकर पितरों का पिंडदान किया। अमावस्या मेला में भीड की सम्भावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने पहले से ही सुरक्षा को लेकर खासे इंतजाम किये थे।

पूरे मेला क्षेत्र में यूपी-एमपी प्रशासन ने अपने-अपने क्षेत्र की ओर सेक्टर व जोनल मजिस्टेज्ट के साथ भारी तादाद में पुलिस बल तैनात किया है। भगवान कामतानाथ मन्दिर में जयकारे लगाते हुए श्रद्धालु पूजन-अर्चन कर दर्शन किया। परिक्रमा मार्ग खचाखच भरा रहा। रामघाट से लेकर परिक्रमा मार्ग तक श्रद्धालुओं की भारी भीड देखने को मिली। यूपी प्रशासन ने कई जगह बैरियर लगाकर वाहनों को रोका। यूपीटी तिराहा से रामघाट की ओर केवल दोपहिया वाहन ही प्रवेश पा सके। टैम्पो व चारपहिया समेत अन्य वाहनों को प्रवेश नहीं दिया गया। परिक्रमा मार्ग में भीड को देखते हुए कामतानाथ प्रमुख द्वार के पास एमपी प्रशासन ने रुट डायवर्जन किया। बरहा हनुमान मन्दिर, पीली कोठी, प्राचीन मुखारबिन्दु व खोही से परिक्रमा शुरू करने वाले श्रद्धालुओं को प्राचीन द्वार के पहले राधा-कृष्ण मन्दिर के पास बैरीकेटिंग कर रोका गया। इन्हें राधा-कृष्ण मन्दिर से गौरिहार मन्दिर की ओर घूम कर प्रमुख द्वार मन्दिर में जाने को प्रवेश मिला।

बिहार के राजगीर ग्लास ब्रिज की तर्ज पर होगा तुलसी जलप्रपात का निर्माण: डीएफओ

चित्रकूट। डीएफओ आरके दीक्षित ने बताया कि तुलसी जलप्रपात प्रदेश का पहला ऐसा जलप्रपात होगा, जिसे लेकर वन विभाग लखनऊ के आला अफसरान समेत बांदा के कंजरवेटर मनीष मित्तल व मारकुण्डी रेंजर रमेश कुमार अपनी टीम के साथ बिहार के राजगीर पर्यटक स्थल में पर्यटन अफसरों के साथ स्काई वाक ब्रिज का अवलोकन कर रहे हैं। वन मंत्रालय ने दस्तावेज तैयार कर जल्द सर्वे कार्य किया जा रहा है। रविवार को डीएफओ आरके दीक्षित ने बताया कि वन विभाग लखनऊ के मुख्य प्रधान वन संरक्षक ममता संजीव दुबे बीते माह शबरी जलप्रपात का दौरा किया था। वन विभाग के स्थल का विकास कर प्रदेश सरकार के सामने ईपो टूरिज्म का बेहतरीन माडल पेश करने की पहल कर तुलसी जलप्रपात नया नाम दिया

गया। वन विभाग बांदा के कंजरवेटर मनीष मित्तल ने अधिकारियों के साथ तुलसी जलप्रपात का जायजा लेकर पर्यटकों को बढावा देने को देश का दूसरा ग्लास ब्रिज अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस पहला कांच ग्लास ब्रिज, राकगार्डन, रेस्टोरेंट, हॉटस्पाट, औषधि पार्क बनाये जाने का खाका तैयार किया। कभी पाठा इलाके में डकैतों की शरणस्थली अब यह स्थान ईको टूरिज्म का हब बन रहा है। तुलसी जलप्रपात पूर्व में शबरी जलप्रपात के नाम से विख्यात था। यहां पहुंचने को मुम्बई-हावडा रेल मार्ग के मानिकपुर स्टेशन से 30 किमी चित्रकूट कर्वी से तकरीबन 60 किमी दूर मानिकपुर इटवां-सतना सम्पर्क मार्ग टिकरिया स्टेशन के पास है।

पूर्व की सरकारों में भ्रष्टाचार से लूटे धन को छीनकर गरीबों में बांट रही भाजपा: डिप्टी सीएम

चित्रकूट। एक दिवसीय दौरे पर तीर्थक्षेत्र आये सूबे के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पूर्व की सरकारों में भ्रष्टाचार, गुण्डागर्दी, माफियागिरी का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा की सरकार न बने, इसके लिए विरोधी एकजुट हो रहे हैं। विरोधी केवल इस बात से घबरा रहे हैं कि अब तक भ्रष्टाचार, गुण्डागर्दी से लूटे गये धन को भाजपा सरकार छीनकर गरीबों में बांट रही है। भाजपा सरकार गरीबों के हित में काम कर रही है, यह भी विरोधी बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं।

रविवार को डिप्टी सीएम हेलीकाप्टर से सवेरे साढे दस बजे पुलिस लाइन उतरे। यहां गाड आफ आनर लेने के बाद बेडीपुलिया स्थित मानिकपुर विधायक अविनाशचन्द्र द्विवेदी के कार्यालय में आधे घंटे तक प्रधानमंत्री के मन की बात सुनी। पार्टी पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के साथ बैठकर व संवाद भी किया। रामायण मेला परिसर सीतापुर में लगी प्रदर्शनियों को देखा। डिप्टी सीएम ने कहा कि

आज पं दीनदयाल उपाध्याय की जयंती है।

उन्होंने कहा कि सूबे के सीएम योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में दूसरे कार्यकाल की सरकार के छह माह पूरे हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आठ साल से केवल गरीबों के घर खुशहाली लाने को काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि माहौल को भाजपा सरकार ने बदला है। अन्य दल सत्ता में रहकर गरीबों को लूटने का काम करते रहे हैं। भाजपा सरकार ने गुण्डों-माफियाओं को जेलों में ठूसा है। डिप्टी सीएम ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में यूपी की सभी 80 सीटें भाजपा जीतेगी। इसी से विरोधी डरे हैं। वह केवल भाजपा सरकार न बने, इसके लिए एक हो रहे हैं। उन्हें डर है कि भाजपा सरकार उनसे लूटा हुआ माल निकाल लेगी। डिप्टी सीएम ने मंच से ही साढ़े नौ करोड परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करते हुए सौगात दी। पांच दिव्यांगों को ट्राईसाइकिल, पांच छात्र-छात्राओं को लैपटाप, आयुष्मान भारत योजना के पांच लाभार्थियों को गोल्डन कार्ड सौंपे। डीएम अभिषेक आनन्द व एसपी अतुल शर्मा ने डिप्टी सीएम को भगवान की मूर्तियां देकर स्वागत किया। डिप्टी सीएम ने शिवरामपुर में बने अमृत सरोवर का विधि-विधान से पूजन कर शुभारम्भ किया। इस मौके पर सांसद आरके सिंह पटेल, पूर्व सांसद रमेशचन्द्र द्विवेदी, मानिकपुर विधायक अविनाशचन्द्र द्विवेदी, भाजपा जिला प्रभारी देवेश कोरी, भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश खरे, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, सांसद प्रतिनिधि शक्तिप्रताप सिंह तोमर समेत तमाम भाजपाई मौजूद रहे।

बाईपास बनाकर खोलें मेडिकल कालेज

चित्रकूट। जनउद्योग व्यापार संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन/समाजसेवी/भाजपा नेता शानू गुप्ता ने सूबे के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को सौंपे ज्ञापन में बाईपास व मेडिकल कालेज तथा ट्रामा सेंटर खोलने की मांग की है।

रविवार को भाजपा नेता शानू गुप्ता ने डिप्टी सीएम केशव मौर्य को सौंपे पत्र में कहा कि जिले में बडे व भारी वाहनों का आवागमन तेजी से बढा है। आये दिन हादसे हो रहे हैं।

मुख्यालय से होते हुए भारी वाहन दिन-रात चलने से आम जनता व स्कूली बच्चों को खतरा बना रहता है। जिले में

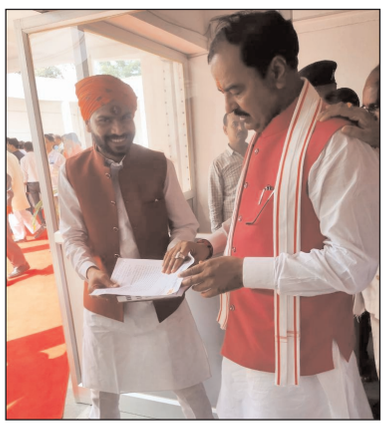

सैकडों हादसों में लोगों की मृत्यु हो चुकी है। बाजारों की स्थिति बेहद खराब होने से बाईपास की अतिआवश्यकता है। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए लोगों को 120 किमी दूर प्रयागराज जाना पडता है। तीर्थक्षेत्र में हर माह लाखों श्रद्धालुओं का आगमन होने से मेडिकल कालेज व ट्रामा सेंटर की खास जरुरत है।

उन्होंने बताया कि खोह में करोडों की सरकारी बिल्डिंग बनी है। जिसमें ट्रामा सेंटर बनाया जा सकता है। उन्होंने डिप्टी सीएम से मांग की है कि जल्द बाईपास बनवाकर मरीजों के संकट दूर करने को मेडिकल कालेज व ट्रामा सेंटर खोला जाये।

दबंगों ने मकान-दुकान पर किया कब्जा, डिप्टी सीएम से गुहार

चित्रकूट। बांदा जिले के कमासिन थाना क्षेत्र के जोराउरपुर गांव की देवकुमारी पत्नी विजयशंकर ने सूबे के डिप्टी सीएम केशव मौर्य को सौंपे पत्र में कहा कि उसके मकान व दुकान पर गुण्डई के जोर पर जबरियां दिलीप पुत्र लालमन, विनय उर्फ भुरुआ, लवकुश पुत्र सुरेश, शिवसागर उर्फ चुनाई, सुरसरि उर्फ लोड्डी व लालमन आदि ने बीस मार्च 2021 को रात 11 बजे ताला तोडकर घर-गृहस्थी व दुकान का कीमती सामान व 16 हजार रुपये नकद लूटकर कब्जा कर लिया है। पीड़िता ने अवैध कब्जाधारियों से मुक्ति दिलाकर कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

रविवार को पीड़िता देवकुमारी पत्नी विजयशंकर ने सूबे के डिप्टी सीएम केशव मौर्य को लैनाबाबा सरकार में सौंपे पत्र में कहा कि जगऊटोला लखनपुर के कमल द्विवेदी व दादूलाल ने लाइसेंसी बन्दूक के जोर पर उक्त लोगों से ताला तुडवाकर उसके घर व दुकान पर कब्जा करा दिया है। इस घटना को करुणाशंकर पुत्र नरेन्द्र देव व रामदत्त पुत्र राममनोहर माली आदि ने देखा है। पीड़िता ने पता चलने पर उक्त लोगों में साजिशन देवकुमारी व उसके पति विजयशंकर पर झूंठा मामला थाना कमासिन में दर्ज कराने के बाद ये अवैध कब्जा किया है। 24 जुलाई 2022 को अपने घर जाकर देखा कि दिलीप मकान व दुकान में जबरियां कब्जा किये है। पीड़िता व उसके पति ने मकान खाली करने को कहा तो जान से मारने की धमकी देते हुए गाली-गलौज की। दिलीप गुंडा व दबंग किस्म का अपराधी प्रवृत्ति का है। पीड़िता लगातार 28 जुलाई 2022 से थाना कमासिन व दांदो चैकी में शिकायत कर रही है। आज तक पीड़िता को कोई राहत नहीं मिली है। पीड़िता ने सूबे के डिप्टी सीएम से मांग की है कि दबंगों के अवैध कब्जे को हटवाकर उसे मकान व दुकान पर कब्जा दिलाया जाये।

पिंडरा के पास बांध की मंजूरी, बुन्देली सेना ने सीएम शिवराज के प्रति जताया आभार

चित्रकूट। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने मंदाकिनी नदी में बांध बनाए जाने को हरीझंडी दे दी है। 228 करोड़ की लागत से बनने वाले इस बांध से मंदाकिनी को सालभर पांच एमपीएम पानी मिलेगा। नदी में अचानक तेज बाढ़ और तिरहार क्षेत्र में गर्मी के दिनों में सूखे की समस्या से बड़ी राहत मिलेगी।

रविवार को बुन्देली सेना जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि बारिश का पानी संरक्षित करने को मंदाकिनी नदी में बांध की मांग वर्षों पहले से जारी थी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने यह मांग पूरी कर दी है। पिंडरा गांव से लगभग सौ मीटर आगे इटौरहा गांव के पास बांध को स्वीकृति मिली है। इस बांध के जरिए बारिश का पानी इकठ्ठा किया जाएगा। बांध से मझगवां क्षेत्र के 72 सौ हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की व्यवस्था की जाएगी।

साथ ही पांच मिलियन क्यूबिक मीटर पानी मंदाकिनी नदी में छोड़ा जाएगा। बांध बनने से नदी में अचानक बाढ़ की समस्या से काफी हदतक निजात मिलेगी। साथ ही तिरहार क्षेत्र में गर्मी के दिनों में नदी सूखने की समस्या दूर हो जाएगी। सालभर बांध से पानी छोड़ा जाएगा और नदी की टेल तक पानी जाएगा। अभी पहाड़ों और जंगली क्षेत्र का पानी बाढ़ के रूप में बहकर निकल जाता था।

मध्य प्रदेश सरकार से हरी झंडी मिलने के बाद बांध निर्माण की टेंडर प्रक्रिया शुरू हो गई है। तीन साल बांध के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। अगले एक दो महीने में बांध का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। बुन्देली सेना ने बांध की स्वीकृति प्रदान करने के लिए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान के प्रति आभार जताया है।

दीप्ति शर्मा द्वारा किए रन आउट पर हरमनप्रीत बोली- मुझे नहीं लगता कि वह किसी तरह का अपराध था

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने विवादास्पद लेकिन वैध रन आउट से इंग्लैंड के खिलाफ पहली बार एकदिवसीय श्रृंखला में क्लीन स्वीप करने के बाद कहा कि उनकी टीम ने कोई अपराध नहीं किया है। भारतीय गेंदबाज दीप्ति शर्मा ने नॉन स्ट्राइक छोर पर गेंदबाजी करने से पहले बाहर निकल गई चार्ली डीन को रन आउट कर दिया था जिससे भारत ने यह मैच 16 रन से जीता।

हरमनप्रीत से इसी रन आउट के बारे में सवाल किए गए थे। हरमनप्रीत ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हमने ज जो कुछ किया मुझे नहीं लगता कि वह किसी तरह का अपराध था।' उन्होंने कहा, 'यह खेल का हिस्सा है और यह आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) के नियमों के अंतर्गत है। मुझे लगता है कि हमें अपनी खिलाड़ी का समर्थन करना चाहिए। मुझे वास्तव में खुशी है कि वह इसको लेकर सजग थी और बल्लेबाज काफी आगे निकल

गई थी। मुझे नहीं लगता कि उसने कुछ भी गलत किया और हमें केवल उसका समर्थन करने की जरूरत है।'

श्रंखला की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई भारतीय कप्तान ने यह मानने से इनकार कर दिया कि इस विवाद के कारण दिग्गज झूलन गोस्वामी के विदाई मैच की चमक फीकी पड़ गई। उन्होंने कहा, 'मैं ऐसा नहीं मानती जैसा कि मैंने पहले कहा कि मुझे नहीं लगता कि हमने कोई अपराध किया है। मुझे नहीं लगता कि हमें इस पर बात करने की जरूरत है क्योंकि पहले नौ विकेट भी बेहद महत्वपूर्ण थे और हर किसी ने इसके लिए कड़ी मेहनत की थी।'

हरमनप्रीत ने कहा, 'यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता था लेकिन हमारी गेंदबाजों ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की और पूरी टीम ने अच्छा प्रयास किया। केवल अंतिम विकेट पर चर्चा करने के बजाय जश्न मनाने के लिए कई और चीजें भी हैं।' हरमनप्रीत मैच के बाद पुरस्कार समारोह के दौरान प्रस्तोता के रवैए से भी नाराज दिखी जो कि भारत की ऐतिहासिक जीत के बजाय रन आउट पर सवाल किए जा रहा था। भारतीय कप्तान ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं सोच रही थी कि आप नौ विकेटों के बारे में भी बात करोगे जिन्हें हासिल करना आसान नहीं था। यह खेल का हिस्सा है। मुझे नहीं लगता कि हमने कुछ नया किया। इससे आपकी सजगता का पता चलता है कि बल्लेबाज क्या कर रहा है।' उन्होंने कहा, 'मैं अपनी खिलाड़ी का समर्थन करती हूं। उसने ऐसा कुछ नहीं किया जो कि नियमों के विरुद्ध हो। पहले मैच के बाद हमने चर्चा की थी और हम वास्तव में बहुत अच्छा प्रदर्शन करना चाहते थे। हम इस तरह की क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहते हैं।' हरमनप्रीत ने इस अवसर पर टी20 श्रृंखला के तीसरे मैच में स्मृति मंधाना को आउट दिए जाने का जिक्र भी किया क्योंकि तब सोफी एक्लेसटोन के कैच करने से पहले गेंद ने जमीन को स्पर्श कर दिया था। आईसीसी ने हाल में इस तरह के रन आउट को पूरी तरह से वैध श्रेणी में डाल दिया था। इंग्लैंड की तेज गेंदबाज केट क्रॉस ने कहा कि इस तरह के रन आउट पर अलग-अलग राय रखना लाजमी है। उन्होंने कहा, 'इस तरह के आउट होने पर हमेशा लोगों की राय भिन्न होगी। कुछ लोग इसे पसंद करेंगे तो कुछ नापसंद। दीप्ति ने चार्ली डीन को इस तरह से आउट करना सही माना। मुझे इस बात की अधिक निराशा है कि चार्ली डीन लॉर्ड्स में अर्धशतक पूरा नहीं कर पाई।'

दीप्ति के 'मांकड़' के बाद अश्विन-ब्रॉड की कड़ी प्रतिक्रियाएं आई सामने

लंदन। दीप्ति के 'मांकड़' के भारत और इंग्लैंड की महिला टीम के बीच तीसरे और अंतिम वनडे में प्रतिष्ठित लॉर्ड्स में एक रोमांचक अंत देखने को मिला जिसमें भारत ने इंग्लैंड को क्लीन स्वीप किया। दीप्ति शर्मा ने गेंदबाजी के दौरान नॉन-स्ट्राइकर के छोर पर रन-आउट ((जिसे आमतौर पर 'मांकड़' के रूप में जाना जाता है)) किया। इंग्लैंड को जीत के लिए 52 रनों की जरूरत थी जब उनका नौवां विकेट गिर गया और ऐसा लग रहा था कि भारत एक सीधी जीत दर्ज करेगा, लेकिन शार्लेट डीन और फ्रेया डेविस की जोड़ी ने मेजबान टीम के लिए अप्रत्याशित वापसी शुरू कर दी थी।

दोनों ने अंतिम विकेट के लिए 35 रन जोड़े जब दीप्ति शर्मा ने एक अविश्वसनीय खेल-जागरूकता दिखाते हुए डीन को गेंद फेंकने से पहले अपनी क्रीज छोड़ते हुए देखा और उन्हें नॉन-स्ट्राइकर एंड पर रन आउट किया। दिलचस्प बात यह है कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने इस सप्ताह की शुरुआत में इस तरह के आउट को वैध कर दिया, लगभग एक महीने बाद मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने भी 'अनफेयर प्ले' से 'रन आउट' खंड में बर्खास्तगी को स्थानांतरित कर दिया।

दीप्ति ने डीन को जिस तरह से आउट किया उसे लेकर क्रिकेटरों की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इसमें भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन, इंग्लैंड के टेस्ट तेज गेंदबाज स्टुअर्ट सहित कई अन्य क्रिकेटर शामिल हैं। अश्विन जिन्होंने 2019 के आईपीएल में 'मांकड़' के बाद काफी चर्चा में थे, ने मजाकिया अंदाज में लिखा, आप अश्विन को क्यों ट्रेंड कर रहे हैं? आज रात एक और बॉलिंग हीरो दीप्ति शर्मा की है।'

वहीं स्टुअर्ट ब्रॉड डीन को रन आउट करने के दीप्ति के फैसले से ज्यादा प्रभावित नहीं थे। उन्होंने कहा, मुझे मांकड़ की बहस वाकई दिलचस्प लगती है। दोनों तरफ से इतने सारे विचार। मैं व्यक्तिगत रूप से इस तरह का मैच नहीं जीतना चाहता, साथ ही, दूसरों को अलग तरह से महसूस करने के लिए बहुत खुश हूं। सैम बिलिंग्स ने इस रन आउट पर लिखा, निश्चित रूप से ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जिसने क्रिकेट खेला है और जो सोचता है कि यह स्वीकार्य है? सिर्फ क्रिकेट नहींज'।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन जो इस रन आउट के दौरान ऑन-एयर थे, ने कहा कि वह

कानूनी होने के बावजूद रन आउट के बारे में 'इतना निश्चित नहीं' थे। नहीं। मुझे बहुत ज्यादा यकीन नहीं है। कानून बदल गए हैं, इसलिए अगर वह अपनी डिलीवरी स्ट्राइड में थी, तो वह ऐसा करने के अपने अधिकारों के भीतर थी, 'ठीक है, वे लंबे समय तक फिर से खेलना चाहते हैं, लेकिन खेल के नियमों के भीतर है। यदि वह एक डिलीवरी स्ट्राइड में है और नॉन-स्ट्राइकर क्रीज छोड़ देता है, तो आप नॉन-स्ट्राइकर को रन आउट कर सकते हैं। शालोट डीन रो रही है और याद रखें, यह खेल के नियमों में है।

पूर्व इंग्लिश गेंदबाज टिम ब्रेसनन ने लिखा, रुको, रुको, रुको, मांकड़। पिछला पैर नीचे है सामने पैर नीचे था इससे पहले कि वह क्रीज छोड़े। अगर हम इसे कानूनी बना रहे हैं तो डीआरएस पर बाहर नहीं होना चाहिए।'मांकडिंग'

हॉकी गोलकीपर श्रीजेश ने डिगो एयरलाइन्स को लिए आड़े हाथों, लिखा- लूट

लंदन। भारतीय हॉकी के स्टार गोलकीपर पी.आर श्रीजेश ने इंडिगो एयरलाइन्स को ट्वीट कर लताड़ा है। पूरा मामला एक हॉकी स्टिक की लंबाई को लेकर है। उन्हें इस हॉकी स्टिक को इंडिगो के जहाज में ले जाने के लिए 1500 रुपए ज्यादा देने पड़े और इसी को लेकर श्रीजेश इंडिगो कंपनी पर बरसे पड़े।श्रीजेश ने ट्वीट में लिखा- एफआईएच (अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ) ने मुझे 41 इंच की हॉकी स्टिक से खेलने की इजाजत दी लेकिन इंडिगो ने मुझे कभी भी 38 इंच से ज्यादा कुछ भी ले जाने की इजाजत नहीं दी। अब गोलकीपर बैगेज को संभालने के लिए अतिरिक्त 1500 रुपए का भुगतान करें। ट्वीट के अंत में उन्होंने हैशटैग लूट का भी इस्तेमाल किया। इंडिगो एयरलाइन्स के इस व्यवहार पर हॉकी फैंस भी निराश दिखे। उन्होंने श्रीजेश की पोस्ट पर एयरलाइन्स को लताड़ लगाते लिखा- खेल के बारे में व्यावहारिक या बुनियादी विचारों के बिना दयनीय कठोर नियम।

जिनपिंग की नजरबंदी के बीच तख्तापलट, जनरल ली कियाओमिंग के राष्ट्रपति बनने की चर्चा

बीजिंग। राष्ट्रपति शी जिनपिंग को नजरबंद किये जाने के बीच चीनी सेना के तख्तापलट की भी चर्चा तेजी से सोशल मीडिया में चल रही है। शी जिनपिंग को हटाकर सत्ता पलटने की साजिशों के तहत राष्ट्रपति का पद चीनी सेना के जनरल ली कियाओमिंग के संभालने की भी चर्चा है लेकिन इसकी पुष्टि न ही किसी आधिकारिक प्रवक्ता ने की है और न ही चीनी मीडिया में की गई है।

दो मंत्रियों को मौत की सजा और निजी संपत्ति जब्त

सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के अगले राष्ट्रीय सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को तीसरी बार राष्ट्रपति का कार्यकाल मिलने की संभावना थी। इस बीच उन दो मंत्रियों को मौत की सजा सुनाई गयी है जो जिनपिंग के खिलाफ गए थे। चीन के पूर्व जन सुरक्षा मंत्री सुन लिजुन को रिश्वत लेने, शेयर बाजार में हेरफेर करने और अवैध रूप से हथियार रखने के लिए मौत की सजा दी गई है।

लिजुन पर एक 'राजनीतिक गुट' का नेतृत्व करने और जिनपिंग की खिलाफत करने के आरोप भी लगे थे। इसी तरह अदालत ने पूर्व न्याय मंत्री फु जेंघुआ सहित दो वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों को मौत की सजा सुनाई गई। जेंघुआ चीन के शक्तिशाली मंत्री माने जाते थे। इन पूर्व मंत्रियों को जीवन भर के लिए उनके राजनीतिक अधिकारों से वंचित कर दिया गया और उनकी निजी संपत्ति को जब्त कर लिया गया है।

चीनी सेना ने किया तख्तापलट- इन सबके बीच सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को नजरबंद करके चीन की सेना ने तख्तापलट कर दिया है। कई चीनी सोशल मीडिया हैंडलर्स का कहना है कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठों ने उन्हें पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के प्रमुख के पद से हटाने के बाद नजरबंद किया है। दरअसल, दावा किया जा रहा है कि उज्बेकिस्तान के समरकंद से शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में भाग लेकर लौटने के बाद 16 सितंबर को शी जिनपिंग को हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया था और वर्तमान में उन्हें नजरबंद रखा गया है।

चीन के लिए अगले कुछ दिन बेहद महत्वपूर्ण

सोशल मीडिया पर इस तरह के वीडियो वायरल होने के बीच चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के जनरल ली कियाओमिंग को चीन का नया राष्ट्रपति बनने की चर्चा भी तेज हो गयी है। चीन से जुड़े सोशल मीडिया एकाउंट्स में जनरल ली कियाओमिंग का नाम चीन के नए उत्तराधिकारी के रूप में तेजी से छाया हुआ है। ऐसे में अगले कुछ दिन चीन के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

सुब्रमण्यम स्वामी के ट्विट ने मचाई सनसनी

चीन में तख्तापलट के दावों में कितनी सच्चाई है इससे पर्दा उठना बाकी है, किन्तु भारत में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी के एक ट्विट के बाद सनसनी मच गयी है। स्वामी ने अपने ट्विट में कहा कि चीन को लेकर एक नई अफवाह है, जिसकी जांच की जानी चाहिए कि क्या शी जिनपिंग नजरबंद हैं? माना जा रहा है कि जब जिनपिंग समरकंद में थे, तब चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं ने उन्हें सेना के अध्यक्ष पद से उन्हें हटा दिया था। उसके बाद अफवाह है कि उन्हें हाउस अरेस्ट किया गया है। स्वामी ने इसका एक वीडियो भी शेयर किया है।

उत्तर कोरिया ने फिर दिखाए तेवर, फिर किया बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण

उत्तर कोरिया। उत्तर कोरिया ने रविवार को अपने पूर्वी समुद्री तट की ओर छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। प्योंगयांग ने दक्षिण कोरिया के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास के लिए एक अमेरिकी विमानवाहक पोत के सोल पहुंचने के बीच यह कदम उठाया। अमेरिका और दक्षिण कोरिया एशियाई प्रायद्वीप में उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम से बढ़ते खतरे के मद्देनजर यह संयुक्त सैन्य अभ्यास कर रहे हैं। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने बताया कि पश्चिमी शहर ताइकॉन से दागी गई इस मिसाइल ने उत्तर कोरिया के पूर्वी तट पर समुद्र की गोद में समाने से पहले खुले आसमान में उड़ान भरी।

हालांकि, दक्षिण कोरियाई सेना ने अभी इस परीक्षण के बारे में कोई और विवरण साझा नहीं किया है, जिसमें मिसाइल का प्रकार, खूबियां और मारक क्षमता, आदि शामिल है। उत्तर कोरिया ने इस साल अपनी मिसाइल परीक्षण गतिविधियां तेज कर दी हैं। वर्ष 2022 में वह अब तक 30 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण कर चुका है, जिसमें 2017 के बाद पहली बार एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल की आजमाइश भी शामिल है। यह मिसाइल प्रक्षेपण ऐसे समय में किया गया है, जब अमेरिका का परमाणु चालित विमानवाहक पोत यूएसएस रोनाल्ड रीगन और उसका एक लड़ाकू दस्ता संयुक्त सैन्य अभ्यास के लिए दक्षिण कोरिया पहुंचा है। इस बीच, जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने एक बयान जारी कर कहा कि हालांकि, परीक्षण से तत्काल किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है, लेकिन तोक्यो उत्तर कोरिया के

मिसाइल प्रक्षेपण के बारे में जानकारी जुटाने और जहाजों व विमानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की 'पूरी कोशिश' कर रहा है। उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम से बढ़ते खतरे का मुद्दा अगले हफ्ते सोल की यात्रा पर जा रहीं अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की द्विपक्षीय मुलाकातों का मुख्य एजेंडा भी हो सकता है। हैरिस तोक्यो में जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद दक्षिण कोरिया रवाना होंगी।

'लोकतांत्रिक देशों पर संकट, हमें सतर्क रहने की जरूरत', फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने किया आगाह

बीजिंग। इन दिनों अमेरिका यात्रा पर आए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने लोकतांत्रिक देशों के संकट को लेकर दुनिया को आगाह किया है। उन्होंने जिन लोकतांत्रिक देशों के संकट का जिक्र किया, उनमें अमेरिका भी है। मैक्रों ने कहा कि वर्षों से अस्थिर करने की जारी कोशिशों के कारण ये स्थिति पैदा हुई है। लोकतंत्र के भविष्य को लेकर मैक्रों ने अपनी चिंता अमेरिकी टीवी चैनल सीएनएन को दिए एक इंटरव्यू में जताई। जब अमेरिकी लोकतंत्र के बारे में पूछा गया, तो फ्रांस के राष्ट्रपति ने कहा- 'यहां की स्थिति हम सबके लिए चिंता का कारण है। मैं यह कहना पसंद नहीं करता कि मुझे आपकी चिंता है। लेकिन मेरी राय है कि हमने 18वीं सदी के बाद जो कुछ निर्मित किया, वह आज दांव पर लग गया है।'मैक्रों ने कहा कि पश्चिमी 'उदार लोकतांत्रिक देशों' में पैदा हुए संकट के कारण सारी दुनिया को सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा- 'मेरी राय में लोकतांत्रिक देश एक बड़े संकट में हैं। मैं इन देशों की व्यवस्था को उदार लोकतंत्र कहता हूं। क्यों? इसलिए कि एक तो ये खुला समाज हैं, यहां बहुत खुलापन है, और ये सहयोग का रुख रखने वाले लोकतंत्र हैं। लेकिन इससे विरोधियों को इन व्यवस्थाओं पर दबाव बनाने का मौका मिला है।' पर्यवेक्षकों ने ध्यान दिलाया है कि मैक्रों ने वही बात कही है, जो अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन कहते रहे हैं। बाइडेन ने 21वीं सदी की प्रतिस्पर्धा को लोकतंत्र बनाम तानाशाही के मुकाबले के रूप में प्रस्तुत किया है। विश्लेषकों के मुताबिक हाल के महीनों में दुनिया भर में बने आर्थिक मंदी के माहौल के कारण लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के भविष्य को लेकर दी जा रही चेतावनियों को अधिक गंभीरता से लिया जाने लगा है। यह राय भी बनी है कि यूक्रेन पर रूस के हमले से भी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के लिए नई चुनौती खड़ी हुई है।

ग्रीन कार्ड जारी करने में लगने वाले समय को कम करने की सिफारिशों पर विचार कर रहा है व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन की ओर से नियुक्त विशेष आयोग की सिफारिशों पर व्हाइट हाउस विचार कर रहा है, जिसमें ग्रीन कार्ड आवेदनों निर्णय और प्रसंस्करण की प्रक्रिया को छह महीने के भीतर पूरा करने और अप्रैल 2023 तक लंबित आवेदनों का निस्तारण करने के लिए कहा गया है। यदि आयोग के इस प्रस्ताव को लागू किया जाता है तो हजारों अप्रवासी परिवारों को इसका लाभ होगा, विशेष रूप से भारत और चीन जैसे देशों से आने वाले परिवारों को इसका फायदा होगा।

एशियाई अमेरिकी, हवाई के मूल निवासी और प्रशांत द्वीप समूह में रहने वाले विभिन्न धार्मिक समुदायों के लोगों के बारे में राष्ट्रपति के सलाहकार आयोग ने मई में यह सिफारिश की है। आयोग ने अपनी एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें 12 मई को स्वीकृत सिफारिशों का विवरण दिया गया है। इस प्रस्ताव को 24 अगस्त को राष्ट्रपति को भेज दिया गया था। व्हाइट हाउस घरेलू नीति परिषद आयोग की इन सिफारिशों को राष्ट्रपति जो बाइडन को उनके निर्णय के लिए भेजे जाने से पहले मौजूदा समय में इनकी समीक्षा कर रही है। ग्रीन कार्ड, जिसे आधिकारिक तौर पर स्थायी निवासी कार्ड के रूप में जाना जाता है, अमेरिका में प्रवासियों को जारी किया जाने वाला एक दस्तावेज है जो इस बात का सबूत है कि इसके धारक व्यक्ति को स्थायी रूप से अमेरिका में रहने का विशेषाधिकार दिया गया है। सिलिकॉन वैली स्थित भारतीय मूल के अमेरिकी उद्यमी अजय जैन भूटोरिया ने प्रवासियों के समुदाय से प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर इस साल मई में आयोग की पहली बैठक के दौरान इस मुद्दे पर प्रस्ताव पेश किया था। उनके प्रस्ताव को आयोग ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया था।

'कैसे चलें कि ना भारत रूठे, ना चीन नाराज हो', बहुत बड़ी दुविधा में पड़ा श्रीलंका

कोलंबो। श्रीलंका की रानिल विक्रमसिंघे सरकार जल्द ही भारत और चीन दोनों के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करेगी। भारत के साथ कॉम्प्रिहेंसिव इकॉनमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (सेपा) को अंतिम रूप देने के लिए वार्ता की जाएगी। जबकि चीन के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत होगी। पर्यवेक्षकों की राय एक साथ दोनों देशों से बातचीत शुरू करने के पीछे विक्रमसिंघे सरकार की मंशा यह संदेश देने की है कि वह भारत और चीन दोनों को समान महत्त्व देती है। वह बताना चाहती है कि इनमें से किसी की तरफ उसका ज्यादा झुकाव नहीं है।

बांग्लादेश में हिंदू श्रद्धालुओं से भरी नौका पलटी, 24 की मौत, दर्जनों लापता

ढाका। बांग्लादेश में रविवार को कोरोटा नदी में हिंदू श्रद्धालुओं को बोदेश्वरी मंदिर ले जा रही नौका के पलटने से उसमें सवार 24 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लापता हैं। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार यह घटना बांग्लादेश के पंचगढ़ जिले में उस समय हुई, जब श्रद्धालु महालया (दुर्गा पूजा उत्सव की शुरूआत) के मौके पर नाव में सवार होकर बोदेश्वरी मंदिर जा रहे थे।

पंचगढ़ के बोडा उप-जिले के प्रशासनिक प्रमुख सोलेमान अली ने संवाददाताओं से कहा कि नाव पलटने की घटना में लगभग 24 लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में आठ नाबालिग बच्चे और 12 महिलाएं शामिल हैं। स्थानीय अस्पताल लाए जाने के बाद उनमें से कुछ लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मी और स्थानीय गोताखोर लापता लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में विदेश मंत्री जयशंकर ने चीन और पाकिस्तान पर साधा निशाना

- कहा, किसी भी सूरत में आतंकवाद को जायज करार नहीं दिया जा सकता

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने आतंकवाद को लेकर मुखर रूप से चीन और पाकिस्तान पर परोक्ष निशाना साधते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र में घोषित आतंकवादियों का बचाव करने वाले देश न तो अपने हितों और न ही अपनी प्रतिष्ठा को ध्यान में रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी टिप्पणी चाहे किसी भी मंशा से क्यों न की गई हो, कभी भी खून के धब्बे नहीं ढक सकती।

जयशंकर ने यहां संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि घोषित आतंकवादियों का बचाव करने की हद तक भारत के पड़ोसी देश यूएनएससी 1267 प्रतिबंध व्यवस्था का राजनीतिकरण करते हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि दशकों से सीमा पार आतंकवाद का खामियाजा भुगतता रहा भारत जीरो टॉलरेंस के दृष्टिकोण की दृढ़ता से वकालत करता है। हमारे विचार में आतंकवाद के किसी भी कृत्य को कतई जायज नहीं ठहराया जा सकता है।

रूस ने भारत और ब्राजील की स्थाई सदस्यता का किया समर्थन

रूस ने भारत और ब्राजील को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की स्थाई सदस्यता के लिए योग्य उम्मीदवार बताते हुए उनका समर्थन किया है। रूस ने दोनों देशों को अहम अंतरराष्ट्रीय किरदार करार दिया है। संयुक्त राष्ट्र

महासभा के 77वें वार्षिक सत्र में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने शनिवार को सुरक्षा परिषद की सदस्यता के लिए भारत के नाम के प्रति समर्थन व्यक्त किया।

लावरोव से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रूस को कई क्षेत्रों में अहम साझेदार बताते हुए कहा कि रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से हुई उनकी चर्चा द्विपक्षीय सहयोग के साथ-साथ यूक्रेन संघर्ष पर भी केंद्रित रही। जयशंकर ने कहा, हमने कई मुद्दों पर चर्चा की। मेरी उनके साथ हुई बैठक का एक हिस्सा द्विपक्षीय सहयोग पर केंद्रित रहा, क्योंकि रूस कई क्षेत्रों में हमारा अहम साझेदार है। विदेश मंत्री ने न्यूयॉर्क में भारतीय संवाददाताओं से बातचीत में यह जवाब दिया।

एंटोनियो गुटेरस से यूक्रेन संघर्ष और वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के महासचिव एंटोनियो गुटेरस से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान, रूस-यूक्रेन युद्ध सहित वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा की गई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि एंटोनियो गुटेरस से कई मुद्दों पर बातचीत हुई। विदेश मंत्री इस अमेरिका की 10 दिवसीय यात्रा पर हैं।

इससे पहले वह बेलारूसी समकक्ष व्लादिमीर मेकी, मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद, आर्मेनिया के विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान, सऊदी अरब के समकक्ष फैसल बिन फरहान और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के प्रशासक अचिम स्टेनर से मुलाकात की। एस जयशंकर ने ट्वीट में बताया कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस के साथ वैश्विक चुनौतियों पर काफी देर तक चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान यूक्रेन संघर्ष, संयुक्त राष्ट्र सुधार, जी-20, जलवायु कार्रवाई, खाद्य सुरक्षा और विकास के मुद्दे को उठाया गया।'।

रूस की भारत को यूएनएससी में स्थायी सदस्यता देने की सिफारिश

-विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने 77वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत और ब्राजील को स्थायी सदस्यता देने पर जोर दिया

न्यूयॉर्क। रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के स्थायी सदस्य के लिए भारत का प्रबल समर्थन किया है। रशियन विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने संयुक्त राष्ट्र में इस संदर्भ में भारत की स्थायी सदस्यता की सिफारिश की है। 77वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा के संबोधन में लावरोव ने कहा कि हम अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के देशों के प्रतिनिधित्व के माध्यम से सुरक्षा परिषद को अधिक लोकतांत्रिक बनाने की संभावना को देखते हैं। विशेष रूप से भारत और ब्राजील प्रमुख अंतरराष्ट्रीय देश हैं। इन दोनों देशों की स्थायी सदस्यता के लिए विचार किया जाना चाहिए। इस दौरान लावरोव ने पश्चिमी देशों पर आरोप लगाया कि वे अपने महासंघ का हिस्सा बनने पर यूक्रेन के रूसी नियंत्रण वाले इलाकों में जनमत संग्रह कराने को लेकर जोर दे रहे हैं। युद्ध से आसपास संकट बढ़ रहा है।

अंतरराष्ट्रीय स्थिति तेजी से बिगड़ रही है, लेकिन एक ईमानदार वार्ता और समझौते की तलाश के बजाय पश्चिमी देश अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में विश्वास कम कर रहे हैं और संयुक्त राष्ट्र के भीतर नकारात्मक प्रवृत्तियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अमेरिका पूरी दुनिया को बदलने की कोशिश कर रहा है और अपने साझेदारों के साथ मिलकर विश्व के विचारों से असहमति जताने वालों को प्रतिबंधित कर रहा है। उनके अवैध और एकतरफा प्रतिबंध संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन कर रहे हैं। यह प्रतिबंध गरीब देशों के नागरिकों को मिलने वाली दवा, टीकों और खाद्य आयात को लक्षित करके नुकसान पहुंचाते हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सुधारों पर एक संयुक्त बयान में 31 अन्य देशों के साथ भारत ने कहा था कि स्थायी और गैरस्थायी दोनों श्रेणियों में सुरक्षा परिषद का विस्तार करना चाहिए। संयुक्त बयान के हस्ताक्षरकर्ताओं ने कहा था कि वे इस बात की पुष्टि करते हैं कि संयुक्त राष्ट्र को समकालीन विश्व वास्तविकताओं के अनुरूप बनाने के लिए आवश्यक रूप से सुरक्षा परिषद के तत्काल और व्यापक सुधार की आवश्यकता है।

ब्रिटेन की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन को महारानी एलिजाबेथ पुरस्कार

लंदन। ब्रिटेन में भारतीय मूल की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन को एक समारोह में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय वुमन ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए नामित किया गया। इस श्रेणी में यह अब तक का पहला पुरस्कार है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री लिज ट्रस के मंत्रिमंडल में इस महीने शामिल की गई ब्रेवरमैन (42) ने कहा कि दिवंगत महारानी को समर्पित एशियन एचीवर्स अवार्ड्स 2022 में नई भूमिका निभाने के लिए यह सम्मान मिला है। तमिल मूल की उमा और गोवा मूल के क्रिस्टी फर्नांडीस की बेटी ब्रेवरमैन ने समारोह को एक रिकार्ड किया हुआ संदेश भेजा, जहां उनके माता-पिता ने उनकी ओर से पुरस्कार ग्रहण किया।

ब्रेवरमैन ने अपने संदेश में कहा, मेरी मां और पिता केन्या और मॉरीशस से 1960 के दशक में आए थे। वे हमारे एशियाई समुदाय के गौरवान्वित सदस्य हैं और मेरा जन्म वेम्बली में हुआ, जो एशियाई समुदाय का केंद्रीय स्थल है। विभिन्न श्रेणियों में विजेता घोषित किए गए भारतीय मूल के व्यक्तियों में प्रसारणकर्ता नगा मुंचेटट्टी को मीडिया श्रेणी में पुरस्कार दिया गया। करनजीत कौर बैंस को स्पोर्ट्स पर्सनैलिटी ऑफ द ईयर पुरस्कार मिला है। वह वैश्विक स्तर पर ब्रिटेन का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली महिला सिख भारोत्तोलक हैं। लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड करतार लालवणी को दिया गया है, जो ब्रिटेन के स्वास्थ्यवर्धक ब्रांड विटाबायोटिक्स के संस्थापक हैं।

लेबनान नौका दुर्घटना में बढ़ा मृतकों का आंकड़ा, अब तक 94 लोगों की मौत

नहर अल-बरेद: सीरिया के तट के पास इस सप्ताह प्रवासियों को ले जा रही नौका के डूबने के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 94 हो गई। सीरिया के सरकारी टीवी चैनल के मुताबिक बनयास शहर के पास कई शव निकाले गए।

इससे पहले, सीरिया के तार्तुस शहर में बासेल अस्पताल के प्रमुख ने बताया था कि अस्पताल में 20 लोगों का उपचार किया जा रहा और छह लोगों को छुट्टी दी जा चुकी है। लेबनान की सेना ने शनिवार को कहा कि इस यात्रा को आयोजित करने वाले व्यक्ति को सैनिकों ने हिरासत में ले लिया है। लेबनानी, सीरियाई और फलस्तीनी नौकरी और अमन-चैन की जिंदगी के लिए लेबनान के रास्ते यूरोप जाने का प्रयास करते हैं। ऐसी भी सूचनाएं मिली हैं कि नौका डूबने के समय इस पर कम से कम 120 लोग सवार थे। नौका के आकार और कितने लोग इस पर सवार हो सकते थे, इस बारे में अभी कुछ भी स्पष्ट नहीं है।

पूर्वी कनाडा में चक्रवात फिओना का कहर; जस्टिन ने जापान यात्रा स्थगित की

टोरंटो (कनाडा)। पूर्वी कनाडा के नोवा स्कोटिया प्रांत मेंशक्तिशाली तूफान फिओना से जमकर तबाही हुई है। तट तक पहुंचते-पहुंचते तूफान ने चक्रवात का रूप ले लिया। तेज हवा के असर से विशालकाय पेड़ उखड़कर घरों पर गिर गए। बिजली के खंभे उखड़। इससे पूर्वी कनाडा के ज्यादा हिस्सों में बिजली गुल हो गई। लाखों घरों में अंधेरा छा गया। इस चक्रवात से कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की जापान यात्रा प्रभावित हुई है। उन्होंने यह यात्रा स्थगित कर दी। उन्हें जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होना था।

अमेरिका के नेशनल हरिकेन सेंटर ने कहा है कि चक्रवात

फिओना का केंद्र अभी सेंट लारेंस की खाड़ी में बना हुआ है। नोवा स्कोटिया प्रांत के अलावा फ्रिंस एडवर्ड द्वीप पर भी इसका बहुत प्रभाव पड़ा है। नोवा स्कोटिया में चार लाख से अधिक और प्रिंस एडवर्ड द्वीप में 82 हजार से अधिक घरों में बिजली कनेक्शन को काटा गया है। मोबाइल सेवाओं पर भी असर पड़ा है। इससे पहले इस तूफान से कैरेबियाई द्वीप बरमूडा में भारी तबाही हुई है। वहां तो कई लोगों की जान भी चली गई। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले अटलांटिक महासागर में एक शक्तिशाली चक्रवात तूफान का केंद्र बना था। ताजा तूफान इस सीजन का छठा चक्रवात तूफान है। इसे फियोना नाम दिया गया है। वैज्ञानिकों ने इसको लेकर चेतावनी जारी की थी। यूएस नेशनल हरिकेन सेंटर के पूर्वानुमानकर्ताओं ने कई द्वीपों के लिए तीव्र तूफान फियोना के खतरे को लेकर सावधानी बरतने के लिए कहा था।